राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 15 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–140 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोजगार पर अब ऐक्शन में मोदी सरकार, केंद्र सरकार डेढ़ साल में देगी 10 लाख नौकरियां

पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों एवं विभागों में मानव संसाधन की समीक्षा की है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को आदेश दिया है कि अगले डेढ़ सालों में इस पर मिशन मोड में काम किया जाए।

नई दिल्ली। रोजगार के मुद्दे पर अकसर सवालों का सामना करने वाली मोदी सरकार शायद अब इस संकट को दूर करने का प्लान तैयार कर रही है। पीएमओ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अगले डेढ़ सालों में ही केंद्र सरकार के तमाम विभागों में 1.5 लाख पदों पर भर्ती की जा सकती है। पीएमओ इंडिया अकाउंट से इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्वीट किया गया है, पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों एवं विभागों में मानव संसाधन की समीक्षा की है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को आदेश दिया है कि अगले डेढ़ सालों में इस पर मिशन मोड में काम किया जाए और 10 लाख लोगों को भर्ती किया जाए।

मोदी सरकार का यह फैसला रोजगार की मांग कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। पटना, इलाहाबाद जैसे शहरों में युवा रेलवे भर्ती के लिए प्रदर्शन कर चुके हैं। मोदी सरकार पर हमला करते हुए अकसर उस पर रोजगार न दे पाने का आरोप लगाता रहा है। खासतौर पर नोटबंदी, जीएसटी और फिर कोरोना काल में अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी होने के चलते निजी क्षेत्र में भी नौकरियों के अवसर ज्यादा नहीं निकल पा रहे हैं। ऐसे में मोदी सरकार का यह ऐलान सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है।

2020 में ही खाली थे करीब 9 लाख पद, लंबे समय बाद होगी इतनी भर्ती

बीते साल केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया था कि केंद्र सरकार के विभागों में 1 मार्च, 2020 तक 8.72 लाख पद खाली थे। ऐसे में साफ है कि फिलहाल यह आंकड़ा बढ़कर 10 लाख के करीब हो गया होगा, जिन पर भर्ती के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने आदेश दिया है। जितेंद्र सिंह ने बताया था कि केंद्र सरकार के समस्त विभागों में कुल 40 लाख 4 हजार पद हैं, जिनमें से 31 लाख 32 हजार के करीब कर्मचारी नियुक्त हैं। इस तरह 8.72 लाख पदों पर भर्ती की जरूरत है। यही नहीं 2016-17 से 2020-21 के दौरान भर्तियों का आंकड़ा देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा था कि एसएससी में कुल 2,14,601 कर्मचारी भर्ती किए गए हैं। इसके अलावा आरआरबी ने 2,04,945 लोगों को नियुक्ति दी है। वहीं यूपीएससी ने भी 25,267 उम्मीदवारों का चयन किया है।

चिलचिलाती गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बता दिया है कि राजधानी दिल्ली में कब बारिश होगी। अभी दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। विभाग ने बताया है कि इस क्षेत्र में 16 और 17 जून को बारिश होने के अनुमान हैं। कुछ इलाकों में लू की स्थिति से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। आईएमडी के पूवार्नुमान में कहा गया है कि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। वहीं, अगले दो दिनों के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम 43 व न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले छह दिन तक हर रोज वर्षा होने के आसार है। पांच दिन के लिए यलो अलर्ट भी जारी। बुधवार तक पारा 41 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा और 16 जून से चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत मिलने की संभावना है। हालांकि, लगातार पश्चिमी विक्षोभ और निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के प्रभाव में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र - जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक व बिजली के साथ छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और राजस्थान के मैदानी इलाकों में 15 जून तक इसके आसार हैं। स्काईमेट वेदर के मुताबित पूर्वोत्तर भारत के तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों और केरल के एक या दो हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश के पश्चिमी भागों, दक्षिण पूर्व राजस्थान, पूर्वी गुजरात, कोकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है

अमरनाथ यात्रा में शामिल होने के लिए 12 अंकों का यह महत्वपूर्ण पहचान पत्र है जरूरी

श्रीनगर। श्री अमरनाथ जी की तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड होना जरूरी है, अन्यथा वह बाबा बर्फानी के दर्शन से वंचित हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि जिनके पास आधार कार्ड नहीं है वह इसे बनवाएं और फिर इसे प्रमाणित भी करवाएं। इस संदर्भ में जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी है। इस वर्ष यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए बालटाल और नुनवन (पहलगाम) में 35 हजार श्रमिकों का पंजीकरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं को घोड़े-खच्चर की सेवा उपलब्ध कराने वालों को रेडियो फ्रैक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन डिवाइस कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होगी और 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में मंगलवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शंकर की प्रथम पूजा होगी। इसमें श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीतिश्वर कुमार और बोर्ड के अन्य अधिकारियों व श्री अमरनाथ यात्री न्यास के पदाधिकारी भाग लेंगे। श्राइन बोर्ड हर वर्ष तीर्थयात्रा के शुभारंभ से पूर्व ज्येष्ठ पूर्णिमा को पवित्र गुफा में भगवान की शंकर की पूजा अर्चना और हवन का आयोजन करता है।

यात्रा करने से पहले शरीर को करें तैयार-डाक्टर – श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब 20 दिन से भी कम का समय रह गया है। इस बार यात्रा को सुगम बनाने के लिए श्रीनगर से ही हेलीकाप्टर सेवा शुरू करने के साथ कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। श्रद्धालुओं से कहा जा रहा है कि यात्रा के लिए केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र को अपने स्वास्थ्य का गारंटी कार्ड समझने की भूल न करें। डाक्टरों का कहना है कि यात्रा में आने से पहले अपने शरीर को इन दुर्गम रास्तों पर चलने के लिए तैयार करें। प्रदेश सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुशासन नियम, 2000 के नियम पांच के तहत आधार प्रमाणीकरण जरूरी है।

पैगंबर विवाद की आग में पाक से पड़ रहा था घी, 7,100 सोशल मीडिया अकाउंट्स से फैलाया गया झूठ

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी मामले में पाकिस्तान सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि इस मसले पर हैशटैग का इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर यूजर्स पाकिस्तान से थे। मालूम हो कि निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा की ओर से पैगंबर मोहम्मद पर टीवी बहस के दौरान की गई टिप्पणी से यह विवाद खड़ा हुआ।

डजिटल फोरेंसिक रिसर्च एंड एनालिटिक्स सेंटर ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए 60,000 से अधिक सोशल मीडिया यूजर्स के हैंडल्स का विश्लेषण किया। इसके अलावा, अलग-अलग देशों

के 60,020 नॉन-वेरिफाइड अकाउंट्स थे, जिन्होंने इस मुद्दे पर हैशटैश का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक 7,100 खाते पाकिस्तान से थे।

बॉयकॉट इंडिया ट्रेंड शुरू करने का दावा गलत

DFRAC की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी Ary News सहित कई मीडिया घरानों ने गलत खबर चलाई कि ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने भारतीय प्रोडक्ट्स के बहिष्कार की घोषणा की है। हालांकि, उन्होंने पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी की आलोचना की थी और सभी मुसलमानों को इसके खिलाफ एकजुट होने के लिए कहा था। लेकिन, उनकी ओर से बॉयकॉट इंडिया ट्रेंड शुरू करने का दावा गलत था। इसके अलावा, पाकिस्तान के पूर्व राजदूत अब्दुल ने यह गलत दावा किया कि निष्कासित भाजपा नेता नवीन जिंदल औद्योगिक जिंदल के भाई हैं। इंग्लिश क्रिकेटर मोइन अली के नाम से एक फर्जी स्क्रीनशॉट भी वायरल किया गया, जिसमें वह आईपीएल का बहिष्कार करने की बात कर रहे हैं।

धर्मपुरी में मंदिर का विशाल रथ अचानक पलटा, नीचे दबकर 2 की मौत और 4 घायल

चेन्नई। तमिलनाडु में धर्मपुरी के पप्परापत्ति स्थित एक मंदिर का विशाल रथ पलट गया, जिसके नीचे दबकर दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना वैकासी उत्सव के दौरान कलिअम्मन मंदिर के सजे रथ को आसपास की सड़कों पर लेकर निकलने के दौरान हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रथ अचानक पलट गया और इसके लकड़ी के पहियों के नीचे दबकर दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि रथ को खींच रहे श्रद्धालु और आसपास मौजूद लोग तुरंत बचाव के लिए आगे आए। उन्होंने बताया कि रथ के नीचे दबकर घायल हुए तीन अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति जताई संवेदना

अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सी. मनोहरन (57) और जी. श्रवणन (50) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। चेन्नई में उन्होंने कहा कि दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए हैं और धर्मपुरी

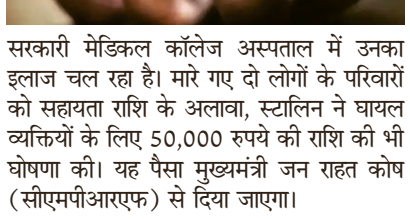

सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। मारे गए दो लोगों के परिवारों को सहायता राशि के अलावा, स्टालिन ने घायल व्यक्तियों के लिए 50,000 रुपये की राशि की भी घोषणा की। यह पैसा मुख्यमंत्री जन राहत कोष (सीएमपीआरएफ) से दिया जाएगा।

मास्टर माइंड ब्रजेश ठाकुर के भाई की अग्रिम बेल अर्जी खारिज, कभी भी हो सकती है गिरफ्तारी

मुजफ्फरपुर। बिहार के चर्चित बालिका गृह कांड में न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कांड के मास्टरमाइंड उम्र कैद सजायाफ्ता ब्रजेश ठाकुर के भाई की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दिया गया है। बालिका गृह कांड से जुड़े स्वाधार गृह कांड में मुख्य आरोपित ब्रजेश ठाकुर के चचेरे भाई रमेश कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी दी थी। विशेष कोर्ट के जज पुनीत कुमार गर्ग ने सोमवार को रमेश की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने नौ जून को अर्जी पर सुनवाई पूरी करते हुए आदेश सुरक्षित रख लिया था। अर्जी खारिज होने के बाद रमेश पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। उसके अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने बताया कि बेल के लिए अब पटना हाईकोर्ट

● बालिका गृह कांड में सजा सुनाए जाने के बाद ब्रजेश ठाकुर व अन्य आरोपित दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। स्वाधार गृह कांड को लेकर 30 जून 2018 को महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। बालिका गृह कांड के खुलासे के बाद अधिकारियों ने नगर थाना के साहू रोड स्थित भारत माता लेन में स्वाधार गृह की जांच की थी।

में अर्जी दाखिल की जाएगी। विशेष कोर्ट ने अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। रमेश स्वाधार गृह में सचिव था। स्वाधार गृह से 11 महिलाओं व चार बच्चों के गायब होने पर रमेश के खिलाफ भी महिला थाने की पुलिस को साक्ष्य मिले थे। इस आधार पर बीते 30 अप्रैल को पुलिस ने रमेश कुमार व अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। वह सकरा के पचदही का निवासी है। फिलहाल, दिल्ली में रह रहा है। इससे पहले कोर्ट ने ब्रजेश ठाकुर के खिलाफ संज्ञान लिया था। बीस जून को उसके खिलाफ विशेष कोर्ट में आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई होगी।

बालिका गृह कांड में सजा सुनाए जाने के बाद ब्रजेश ठाकुर व अन्य आरोपित दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। स्वाधार गृह कांड को लेकर 30 जून 2018 को महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। बालिका गृह कांड के खुलासे के बाद अधिकारियों ने नगर थाना के साहू रोड स्थित भारत माता लेन में स्वाधार गृह की जांच की थी। स्वाधार गृह का संचालन भी ब्रजेश ठाकुर और उसके साथी कर रहे थे। रमेश ठाकुर ब्रजेश की संस्था सेवा संकल्प एवं विकास समिति का सचिव था। इस गृह से 11 महिलाएं और चार बच्चे गायब मिले थे।

राजस्थान के बाड़मेर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश, बह गई गाड़ियां; रेगिस्तान में समंदर सा मंजर

बाड़मेर। राजस्थान में प्री मॉनसून की बारिश ने सड़कों को पूरी तरह जलमग्न कर दिया। यहां करीब 3 घंटे तक लगातार बारिश हुई है। लगातार बारिश की वजह से यहां कई घरों में पानी घुस गया। कई गाड़ियां बारिश के पानी में बहती नजर आईं। जिले में सोमवार को सुबह से गर्मी व उमस ने लोगों के हाल बेहाल कर दिया था। सुबह से आसमान में बादल छाए हुए नजर आ रहे थे।

दोपहर बाद तेज हवा के बाद आसमान में बादलों ने डेरा डाल दिया। शहर में देर शाम को शुरू हुई बारिश काफी देर तक चली। सीमावर्ती बाड़मेर जिले में प्री मानसून बरसात में बीते 12 सालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। 3 घंटे में जिले के विभिन्न इलाकों में करीब 67 एमएम तक बरसात हुई।

सीमावर्ती चौहटन इलाके में लगातार 4 घंटे के बाद पास चली भारी वर्षा के कारण कस्बे में एक बार की बाढ़ जैसे हालात बन गए यहां सड़कों पर खड़ी कार्य और दुपहिया वाहन पानी में बह गए तो दूसरी और घरों में 4 से 5 फुट तक पानी घुस आया।

भीषण गर्मी से जल्द में मिलेगी राहत, जानें कब आएगा यूपी में मानसून

चौहटन कस्बे सहित सरहदी गांवों में मौसम का मिजाज बदलने के बाद मूसलाधार बरसात का दौर शुरू हो गया। कस्बे में जमकर बरसात होने से पूरा कस्बा पानी ही पानी हो गया। लगातार कई घंटों तक चली मूसलाधार बारिश के चलते निचली बस्तियों में पानी भर गया, पहाड़ियों से तेज बहाव के साथ आए पानी में कई वाहन बहते नजर आए।

बाड़मेर में करीब 3 घंटे तक लगातार बारिश से सड़कें दरिया बन गई और कई जगह

पानी भर गया। बरसात के साथ, बिजली कड़कती रही। तेज रफ्तार वरसात से पूरा शहर ठहर गया। देर शाम को शहर की सड़कों पर

चौहटन कस्बे सहित सरहदी गांवों में मौसम का मिजाज बदलने के बाद मूसलाधार बरसात का दौर शुरू हो गया। कस्बे में जमकर बरसात होने से पूरा कस्बा पानी ही पानी हो गया।

पानी बहता रहा। लोग ड्यूटी के क बाद घरों की ओर लौट रहे थे, लेकिन बरसात के कारण बीच रास्ते में ही रुकना पड़ा। बारिश का जोर बढ़ता गया और देखते ही देखते सड़कों पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया। कई लोगों के दुपहिया वाहन पानी के कारण बंद हो गए।

जगह-जगह पानी का भराव

शहर में जगह-जगह पानी का भराव पा हो गया। सड़कों पर दरिया बहते नि दिखे। मौसम विभाग ने जिले में से बूंदाबांदी का पूर्वानुमान जताया था, वा लेकिन यहां तो जिले में कई स्थानों रुक पर जैसे मॉनसून ही आ गया हो।

बाड़मेर में करीब 3 इंच बरसात

बाड़मेर शहर में सोमवार रात 8.30 बजे तक 67.01 एमएम. रेकार्ड की गई। वहीं जिले के कई कस्बों में भी जमकर बरसात हुई है। कुछ मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा कि नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सिरोही, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सीकर, पाली, बूंदी, कोटा, बारां, झुंझुनू, चूरू, बीकानेर, झालावाड़, अजमेर में हल्की से मध्यम वर्षा, आकाशीय बिजली और तेज हवा चलने की आशंका जताई है

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तर्कशीलता को संबल

निस्संदेह, आस्था व्यक्ति का निजी मामला है। उसका सम्मान होना लाजिमी है। लेकिन हमें समाज को जागरूक बनाने की जरूरत है कि किसी मुद्दे पर असहमति का विरोध लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए। विरोध करना चाहिए लेकिन संवैधानिक दायरे में ही। हाल के दिनों में कुछ विवादास्पद बयानों के बाद देश के कई राज्यों में भड़की हिंसा हमारी गंभीर चिंता का विषय है। निस्संदेह, इस संकट के मूल में निहित स्वार्थी तत्वों ने आग में घी डालने का काम किया है जिसके मूल में राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता। कई देशी-विदेशी ताकतें हमारे विकास के इरादों पर पानी फेरने को तैयार बैठी होती हैं। ऐसे मामलों में शासन की सख्ती अपनी जगह है लेकिन ऐसे संवेदनशील मुद्दों को रचनात्मक नजरिये से भी सुलझाना चाहिए। निस्संदेह, आस्था से जुड़े प्रतिरोध राष्ट्र से बड़े नहीं हो सकते। हमें न्यायिक व्यवस्था में भी विश्वास करना चाहिए। लेकिन इसके अतिरिक्त सत्तातंत्र को भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखनी चाहिए ताकि आक्रोश को काबू में किया जा सके। यह विडंबना ही है कि ऐसे समय में जब देश कोरोना संकट से उपजे जख्मों से उबरने की कोशिश में है और रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित विश्व आपूर्ति श्रृंखला से महंगाई की त्रासदी सामने है, हम धार्मिक मुद्दों के विवाद में देश को हिंसा की आग में झोंक दें। निस्संदेह, ऐसी हिंसक कोशिशें समाज में अविश्वास की खाई को और गहरा ही करती हैं। ऐसे टकराव व हिंसा से अंततः आम आदमी को कीमत चुकानी पड़ती है। खासकर उस वर्ग को जो रोज कमाकर दो जून की रोटी का जुगाड़ करता है। यह वर्ग ज्यादा संवेदनशील होता है और जल्दी प्रतिक्रिया देकर आत्मघाती कदम उठाने से नहीं चूकता। हिंसा में जो सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान होता है उसकी कीमत भी आम आदमी को चुकानी पड़ती है। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में हम सोलहवीं सदी जैसे धार्मिक टकरावों में उलझे हैं जिसकी कीमत आखिरकार हमें ही चुकानी पड़ती है।

इसमें दो राय नहीं कि किसी विवाद में संवाद व सहमति की राह में पत्थरबाजी से कोई समाधान संभव नहीं है। सभी समुदायों के जिम्मेदार लोगों की ओर से आग भड़काने के बजाय रचनात्मक पहल के जरिये विवाद का पटाक्षेप करने का प्रयास होना चाहिए। अन्यथा देश व समाज में अस्थिरता का वातावरण विकसित होगा। हमारे समाज में तर्कशीलता के अभाव में शरारती तत्व ऐसे विवाद को अपने खतरनाक मंसूबों के अवसर में बदल देते हैं। यदि समाज विवेकशील हो तो असामाजिक तत्वों को ऐसे विवादों का लाभ उठाने का अवसर नहीं मिल पायेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सभी धर्मों में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो ऐसे मौकों को अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के अवसर के रूप में देखते हैं। जिसके चलते उन्मादी लोग हिंसक भीड़ के रूप में सामने आते हैं। बहुत संभव है कि इसके मूल में कुछ लोगों का असुरक्षाबोध भी हो। साथ ही विभिन्न मुद्दों को लेकर पैदा आक्रोश इस हिंसक विरोध को विस्तार देता हो। ऐसे में इस बात का पता लगाना भी जरूरी है कि इस भीड़ को हिंसक बनाने में किन तत्वों की भूमिका रही है। यहां खुफिया एजेंसियों की विफलता का भी प्रश्न है जो इतने बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का पूर्व आकलन नहीं कर पाईं। यह ज्वलंत प्रश्न सामने है कि हम क्यों ऐसा तर्कशील समाज नहीं बना पाये जो धार्मिक उन्माद, अफवाहों और राजनीतिक दलों के घातक मंसूबों को समझे व हिंसक भीड़ का हिस्सा न बने। कई आलोचक प्रश्न उठाते रहे हैं कि भारत जैसे आर्थिक विषमता तथा निरक्षरता वाले देश में हम लोकतांत्रिक दृष्टि से परिपक्व नागरिक तैयार नहीं कर पाये। जिसके चलते जनता महंगाई, बेरोजगारी आदि सामने खड़े संकटों को नजरअंदाज करके गैरजरूरी मुद्दों के विवादों को तरजीह देने लगती है। हमें लोगों को समझाने की जरूरत है कि आस्था व्यक्ति का निजी मामला है, उससे जुड़े मुद्दों का सार्वजनिक टकराव कालांतर हमारे विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में बाधक ही बनेगा।

राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मी तेज

अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए सियासी गहमागहमी तेज हो गई है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति का चुनाव 18 जुलाई को होना है। एक तरफ भाजपा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के साथ विपक्षी दलों से उम्मीदवार के संबंध में उम्मीदवार तय करने के लिए राजनाथ सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को अधिकृत किया है वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 15 जून को विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई है। हालांकि ममता की इस बैठक को लेकर खींचतान देखी जा रही है। आम आदमी पार्टी और शिवसेना ने बैठक को लेकर कोई खास संजीदगी नहीं दिखाई है। इसकी एक वजह 15 जून को ही कांग्रेस द्वारा विपक्षी दलों की बैठक का बुलाया जाना भी है। दरअसल, कांग्रेस और ममता बनर्जी में पिछले महीने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान उपजी कड़वाहट अभी भी बरकरार है। भाजपा के लिए राहत की बात भी यही है। विपक्षी एकता में दरार का फायदा निश्चित तौर पर भाजपा उठाना चाहेगी। बढ़त के बावजूद राजग खेमे को कुछ दलों को अपने पाले में करने की जद्दोजहद करनी होगी। इसमें बीजू जनता दल (बीजद) और वाईएसआर कांग्रेस की भूमिका सबसे अहम होगी क्योंकि ये दोनों पार्टियां न तो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का हिस्सा हैं न राजग का। अलबत्ता, कांग्रेस द्वारा बुलाई गई बैठक के बाद सही तस्वीर निकल कर आएगी। वैसे भी किसी भी पक्ष की तरफ से राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी का नाम का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की तरफ से खुद सोनिया गांधी ने जरूर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के नाम पर सहमत होती दिख रही है। इस सिलसिले में आप नेता संजय सिंह ने शरद पवार से एक दिन पहले मुलाकात भी की है। इन सब कवायद के बावजूद अभी बहुत कुछ पर्दे के पीछे है। सियासी गोलबंदी का खुलकर प्रदर्शन एकाध दिनों बाद ही होगा। पवार का नाम जिस तरह से आगे आया है, उससे भाजपा को भी अपनी रणनीति बनाने या उसमें बदलाव करने को जरूर मजबूर किया है। वैसे उम्मीदवार तय करने से ज्यादा जरूरी उन दलों को अपने पाले में करने की होगी जिनकी एक चाल से किसी भी गठबंधन का खेल बिगड़ या बन सकता है। फिलहाल इस हाईप्रोफाइल चुनाव का रोमांच बरकरार है।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा। आप जिस भी क्रिया में दीक्षित हुए हैं, अगर इस समय वह करना शुरू कर देंगे, तो आपको इसका सर्वश्रेष्ठ फल मिलेगा। हां, यह समय किताब पढ़ कर सीखी हुई क्रिया करने का नहीं है। आपके भीतर पड़ा वह बीज इस समय विशेष सहयोग मिलने से अपुरित होने लगेगा या दूसरे समय की अपेक्षा ज्यादा तेजी से फूटेगा। यह समय सिर्फ दीक्षित हुए लोगों के लिए ही अनुकूल है। अगर आप दीक्षित नहीं है तो फिर 3.40 हो या 6.40 या फिर 7.4- कोई खास फर्प नहीं पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए संध्या काल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। यह एक तरह का संधि काल होता है।जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.40 से लेकर अगले 12 से 20 निट तक। संध्या का मतलब है संप्रमण या एक स्थिति से दूसरी में जाना। सूर्योदय से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद या सूर्यास्त से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद का समय संध्या कहलाता है। ऐसा ही वक्ति दोपहर बारह बजे और आधी रात को आता है, लेकिन ये दोनों संध्याएं अलग प्रकृति की होती है। दिन में चालीस मिनट की ये चार अवधियां संध्या काल कहलाती हैं। इस संध्या काल में आपका सिस्टम एक खास तरह के संप्रमण से गुजरता है। इस समय में मानव शरीर में मौजूद दो प्रमुख नाडियों - इड़ा और पिंगला के बीच एक खास तरह का संतुलन कायम होता है। सुबह शाम की ये दो संध्याएं गैर दीक्षित लोगों के लिए ठीक हैं। जबकि जो लोग शक्तिशाली ढंग से दीक्षित हुए हैं, उनके लिए 3.40 का वक्ति आदर्श है।

प्रधानमंत्री मोदी की शैली ने लोगों का मन मोहा

प्रधानमंत्री मोदी नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाते हुए कामकाज में पारदर्शिता और तेजी तो लाए ही हैं, साथ ही भारतीय परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग, आयुर्वेद संग्रहालय आदि के महत्व को भी प्रोत्साहित करने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। इससे पूरी दुनिया के लोग भारतीय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। यह महसूस करना भी जरूरी है कि आज उनकी सुधारवादी नीतियों के कारण लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं और उन्हें अतीत की उदासी और निराशाओं को लोगों के जीवन से हमेशा के लिए दूर करने के लिए आने वाले समय में और अधिक मेहनत से काम करना होगा।

डॉ. विपिन कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हाल ही में केन्द्र में सत्ता संभाले आठ साल पूरे हुए हैं। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ 30 मई, 2019 को प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद ली थी। इन आठ वर्षों में पीएम मोदी की अगुवाई में केन्द्र सरकार ने अपना सर्वस्व सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक आसानी से पहुंचे और उन्हें हर योजना के बारे में पूरी जानकारी हो। उन्होंने अपनी राष्ट्र प्रथम नीति के तहत सत्ता को सेवा का जरिया मानते हुए गरीबों और वंचितों के लिए अथक प्रयास किए जिससे जनमानस का लोकतंत्र में एक अलग ही विश्वास पैदा हुआ है और वे देश की ऐतिहासिक विकास की यात्रा में सहभागी बने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और सबल नेतृत्व से देश को न सिर्फ राजनीतिक मोर्चे पर एक नई स्थिरता दी है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मोर्चों पर भी एक नए विमर्श को जन्म दिया है।उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जन सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना, अटल पेंशन योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंजाम दिया है।इससे लोगों में नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है। आज उनकी छवि भारतीय इतिहास में सबसे मजबूत और निडर प्रधानमंत्री के रूप होती है। ईमानदारी, कठोर परिश्रम और कठोर फैसले लेना उन्हें एक बेहद ही करिश्माई नेता बनाती है।

सरकारें योजनाएं पहले भी शुरू करती थीं। लेकिन भ्रष्ट रवैये के कारण जरूरमतमंदों को इसका कोई खास लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि लोगों के इसी आक्रोश ने 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया और उन्होंने अपने प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को चुना। उनके कुशल नेतृत्व को इस विमर्श से समझा जा सकता है कि आज देश के पास संसाधन भी वही हैं और अधिकारी भी वही हैं। लेकिन नतीजे काफी सार्थक आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अधिकारी हों या लाभार्थी, वह आनन-फानन में किसी से भी संवाद कर लेते हैं। इस वजह से पूरी सरकारी मशीनरी में भ्रष्टाचार को लेकर भय का माहौल बना है। प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी

खासियत जनता से सीधा संवाद करना है। बात चाहे नोटबंदी की हो या जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की या कोरोना महामारी के दौरान परिस्थितियों को संभालने की। उन्होंने मुश्किल हालातों में अपनी संवाद शैली से हमेशा लोगों का विश्वास जीता है और उन्हें अपने प्रयास में जनभागीदारी के लिए प्रेरित किया है।

आजादी के सात दशक के बाद भी देश के करोड़ों लोगों के पास बैंकिंग की सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बुनियादी समस्या को सुलझाने के लिए उन्होंने जन-धन योजना की शुरुआत की और उसे आधार और मोबाइल के जरिए नई ऊंचाई प्रदान की। इस पहल ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई और अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल रहा है। इसी कड़ी में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उल्लेख करना भी जरूरी है, जिसने देश में जनसंवाद को बढ़ावा देने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस योजना की शुरुआत जुलाई 2015 में हुई थी। इसका लक्ष्य देश में बेहद ही सुरक्षित और स्थिर डिजिटल ढांचे को विकसित करते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना और जनसामान्य को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी कई अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी मजबूती दी है और तकनीक के माध्यम से सरकार में सुधार के लिए दरवाजे खोले हैं। इस योजना ने लोगों को डिजिटल भुगतान, ई-केवाईसीए, डिजी लॉकर, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर प्रणाली का विकल्प देते हुए पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर ही बदल डाली है। बेशक इस राह में डिजिटल निरक्षरता एक बड़ी समस्या है। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वैज्ञानिक सोच और समन्वय के साथ इस समस्या को भी आसानी से हल कर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाते हुए कामकाज में पारदर्शिता और तेजी तो लाए ही हैं, साथ ही भारतीय परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग, आयुर्वेद संग्रहालय आदि के महत्व को भी प्रोत्साहित करने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। इससे पूरी दुनिया के लोग भारतीय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। यह महसूस करना भी जरूरी है कि आज उनकी सुधारवादी नीतियों के कारण लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं और उन्हें अतीत की उदासी और निराशाओं को लोगों के जीवन से हमेशा के लिए दूर करने के लिए आने वाले समय में और अधिक मेहनत से काम करना होगा। ताकि आजादी के अमृतकाल में भारत वैश्विक पटल पर उन आयामों को छू सके, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

विचार मंथन

भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल

सिद्धार्थ शंकर

सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने विज्ञापनों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गाइडलाइन के मुताबिक अब भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अथॉरिटी ने सरोगेट एडवर्टाइजमेंट पर भी प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। नए दिशा निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। यदि विज्ञापनों में दी गई जानकारी प्रोडक्ट में नहीं पाई जाती है, तो उन विज्ञापनों को भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। जो विज्ञापन उनके डिस्क्लेमर से भिन्न होते हैं, उन्हें भी भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। इसके अलावा, यदि कोई सेलिब्रिटी किसी विज्ञापन में कुछ दावा कर रहा है और वह सही नहीं पाया जाता है तो वह विज्ञापन भी भ्रामक विज्ञापन श्रेणी के अंतर्गत आता है।

पहले समझते हैं कि सरोगेट विज्ञापन क्या होता है? दरअसल अक्सर टीवी पर किसी शराब, तंबाकू या ऐसे ही किसी प्रोडक्ट का ऐड देखा होगा, जिसमें प्रोडक्ट के बारे में सीधे न बताते हुए उसे किसी दूसरे ऐसे ही प्रोडक्ट या पूरी तरह अलग प्रोडक्ट के तौर पर दिखाया जाता है। जैसे शराब को अक्सर सोडे के तौर पर दिखाया जाता है। गुटखा के प्रचार के लिए इलायची का सहारा लिया जाता है। खानपान हो, प्रसाधन, चिकित्सा, घरेलू साजो-सामान या जीवन से जुड़ी दूसरी चीजें, मीडिया में उनका बढ़-चढ़ कर विज्ञापन किया जाता है। हर उत्पाद गुणवत्ता में अपने को दूसरे से बेहतर बताता है। इसके लिए नामचीन हस्तियों की मदद ली जाती है, ताकि आम उपभोक्ता का उत्पाद संबंधी दावों पर भरोसा मजबूत हो। मगर अनेक परीक्षणों और जांचों में पाया गया कि विज्ञापन में किए गए दावे हकीकत से काफी

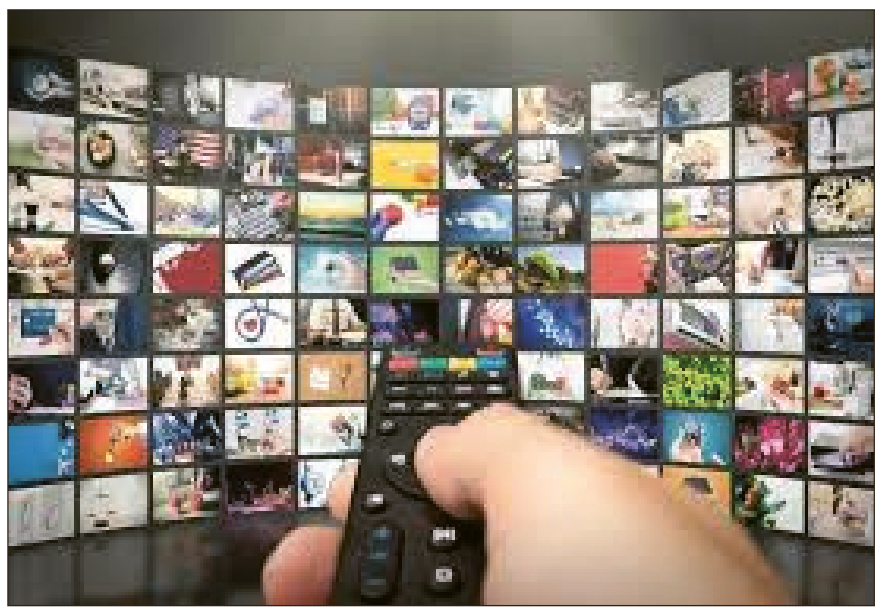

दूर होते हैं। कई बार उन वस्तुओं के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव भी देखे गए हैं। इसी के मद्देनजर उपभोक्ता कानून में बदलाव किया गया। अब भ्रामक विज्ञापन देने वाली कंपनियों के साथ-साथ विज्ञापन करने वाली हस्तियों को भी दंड का भागी बनाया जा सकता है। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के इस दौर में विज्ञापन का प्रभाव समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में भ्रामक विज्ञापन भी धड़ल्ले से दिखाए जा रहे हैं। यही वजह है कि शराब-गुटखा का सेवन करने, छरहरा और आकर्षक बनाने, यौन शक्ति बढ़ाने जैसे भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आ गई है। एक सर्वे के मुताबिक, देश में एक आम आदमी रोजाना करीब 3 घंटे टीवी देखता है और इस दौरान करीब 600 विज्ञापनों को चाहे-अनचाहे देख डालता है। इसके अलावा पत्रिकाओं, अखबारों, सिनेमा, इंटरनेट के विविध जरियों और सड़क किनारे लगे बड़े-बड़े होर्डिंग्स के माध्यम से भी सैकड़ों विज्ञापन उसकी आंखों के सामने से गुजरते हैं। वे उसके जेहन में कहीं जाकर अटक जाते हैं, जिन्हें कोई मशहूर हस्ती, जैसे फिल्म अभिनेता और मशहूर खिलाड़ी किसी बड़े दावे के साथ पेश कर रहा होता है। यही भरोसा विभिन्न उत्पाद बनाने वाली कंपनियां तलाश करती हैं और इसी के लिए वे हस्तियों को अपने विज्ञापनों में लाने के लिए करोड़ों खर्च करती हैं। देश में विज्ञापनों पर खर्च हो रहे सालाना 45 हजार करोड़ रुपए में से ज्यादातर हिस्सा ये मशहूर हस्ती ऐसे दावों के बहाने ले जाती हैं, पर क्या हो अगर वे दावे गलत निकल जाएं? क्या सितारे या मशहूर हस्तियां तब इस संबंध में अपनी कोई जिम्मेदारी वहन करेंगी? अमेरिका में फेडरल कंज्यूमर एक्ट ऐसे भ्रामक विज्ञापनों के लिए संबंधित हस्तियों को भी दोषी मानकर कार्रवाई की इजाजत देता है। कुछ ऐसे ही कानून चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में भी हैं, जहां गुमराह करने वाले या धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों में दिखने वाली हस्तियां भी कानून के दायरे में आती हैं और दोष साबित होने पर सजा की पात्र होती हैं। इसलिए भारत में भी ऐसा किया जाना जरूरी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध

वैश्विक आर्थिक प्रभाव के बीच भारतीय रेल

राकेश त्रिपाठी

यूक्रेन पर रूस के हमले के 100 दिन से अधिक दिन पूरे हो चुके हैं। रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने पांच हजार से ज्यादा प्रतिबंध लगा रखे हैं।

उसकी करीब 300 अरब डॉलर की संपत्तियों को जब्त किया जा चुका है। 1000 से ज्यादा कंपनियों ने रूस में व्यापार बंद कर दिया है। रूस के केंद्रीय बैंक के मुताबिक मुद्रास्फीति 18 फीसद के करीब है। वहीं यूक्रेन की जीडीपी 35 फीसद संकुचित हुई है।

ज्ञातव्य है कि रूस विश्व भर में तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक (विश्व भर के तेल का 12 फीसद उत्पादन करने वाला) देश है। पहले और दूसरे स्थान पर क्रमशः अमेरिका (वैश्विक उत्पादन का 18 फीसद) और सऊदी अरब (वैश्विक उत्पादन का 13 फीसद) आते हैं। गौरतलब है कि रूस प्रतिदिन 70 से 80 लाख बैरल कच्चे तेल तथा सालाना 8500 अरब क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस (पूरे वैश्विक उत्पादन का 17 फीसद) का उत्पादन करता है। वह अपने उत्पादन का अधिकतर हिस्सा 40 फीसद गैस और 30 फीसद तेल यूरोपियन यूनियन को निर्यात करता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों के कारण दुनिया भर में तेल और गैस की कीमतें आसमान पर हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया को डर था कि युद्ध पश्चिम को रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रेरित करेगा। अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा रूसी तेल और गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने से पहले ही कुछ देशों ने अपनी खरीद रोक दी थी, जबकि अन्य घबराहट-खरीद में चले गए थे। 7 मार्च को कीमतें 14 साल के उच्च स्तर 140 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। तब से वे नीचे आई हैं, लेकिन थोड़ा ही। मोटे तौर पर गैस व कच्चे तेल की कीमतों में 25-30 फीसद का इजाफा हुआ है इससे हर चीज महंगी हुई है। श्रीलंका जैसे देश तो भीषण संकट में है।

भूख, दवा की कमी, इलाज नहीं मिलने और हमलों के कारण लोगों ने जान गंवाई है। दुनिया में ऊर्जा संकट गंभीर है। विकासशील व गरीब अफ्रीकी देशों पर इसका सबसे बुरा असर हुआ है। रूस पर प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय बंदरगाहों का प्रयोग रूसी जहाज नहीं

कर पा रहा है। वर्ल्ड बैंक के आकलन के अनुसार इस महंगाई के चलते वर्ष 2022-23में जीडीपी वृद्धि दर गिरकर मात्र 6 फीसद रह सकती है। इसके अतिरिक्त काला सागर एवं मैरियूपोल शहर पर रूसी सेना का कब्जा हो चुका है इन सबके कारण यूक्रेन से दुनिया भर में निर्यात किए जाने वाले गेहूं का रास्ता बंद है, जिससे यूक्रेन के जहाजों की आवाजाही बंद हो गई है और उनमें निर्यात के लिए लदे हुए गेहूं सड़ने लगे हैं। इससे खासकर अफ्रीका में भुखमरी के हालात हैं। भारत रूस से अपनी खपत का मात्र 2 फीसद तेल आयात करता है। भारत कुल आयातित क्रूड आयल से पेट्रोलियम पदार्थ (जैसे पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक इत्यादि) का निर्माण कर लगभग 100 देशों को उनकी आपूर्ति करता है और यह निर्यात भारत के कुल निर्यात का 13 फीसद होता है। भारतीय बाजारों में भी एक समय 120 रुपये प्रति लीटर तक पेट्रोल की कीमत बढ़ गई थी, जिसका असर सभी खाद्य वस्तुओं, सब्जियों, फलों तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं पर पड़ा है। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से अनुरोध करके वैट कम करके महंगाई पर नियंत्रण करने का प्रयास किया है। तथापि कुछ भाजपाशासित राज्यों ने वैट कम नहीं किया है। वर्तमान समय में गैस की कीमत भी बढ़कर 1070 रु पये प्रति सिलेंडर तक पहुंच चुकी है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था का सुस्त हो जाना भी पूर्णतया प्रत्याशित था क्योंकि जब देश की अर्थव्यवस्था का अधिकांश भाग पेट्रोलियम एवं गैस की कीमत चुकाने में तो वस्तुओं एवं खाद्य पदाथरे इत्यादि के दाम बढ़ना लाजमी है तथा लोगों की क्रयशक्ति भी घटी है और मांग आपूर्ति श्रृंखला भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन सब विपरीत परिस्थितियों के होते हुए भी जहां तक रेलवे का संबंध है, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के चलते डीजल इंजनों के उपयोग को धीरे-धीरे कम करते हुए इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के प्रयोग/संचालन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना रेलवे के सबसे भरोसेमंद, टिकाऊ तथा ऊर्जा दक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित होने के शुभ संकेत है।

वर्तमान में भारतीय रेल में यात्री एवं माल ढुलाई सेवा में लगभग 5000 डीजल इंजन कार्य कर रहे हैं, वहीं लगभग 8500 इलेक्ट्रिक इंजन कार्यरत हैं। यात्री एवं माल परिवहन में इलेक्ट्रिक इंजन के प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ पर्यावरण संरक्षण, हरित पर्यावरण अनुशीलन एवं प्रवर्धन तथा प्रदूषण में कमी के रूप में परिलक्षित हो रहा है। इलेक्ट्रिक कारों अथवा बसों के टायर/अन्य पार्ट्स का बियर टियर, सड़क की धूल से उत्सर्जित होने वाले कार्बन की तुलना में इलेक्ट्रिक लोको से चलने वाली ट्रेनें अपेक्षाकृत बहुत कम कार्बन उत्सर्जित करती हैं। पुनश्च- रेलवेज में सौर ऊर्जा का बढ़ता उपयोग मैत्रीपूर्ण पर्यावरण का विकास करेगा। तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इलेक्ट्रिफिकेशन और इलेक्ट्रिक लोको के प्रयोग की अधिकाधिक उपयोगिता इस बात पर ज्यादा निर्भर करेगी कि रेलवे अपनी यात्री परिवहन एवं माल ढुलाई सेवाओं को किस तरह और किस सीमा तक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल पाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिप्टो बाजार के लिए अमंगल साबित हुआ मंगल, बिटक्वाइन-इथेरियम समेत टॉप-10 क्रिप्टोकरेंसी धराशायी

नई दिल्ली। मंगलवार का दिन भी क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले लोगों के लिए बेहद खराब दिन साबित हुआ। क्रिप्टो बाजार में ऐसी सुनामी आई, जिसकी भरपाई हाल फिलहाल होना संभव नहीं।

गौरतलब है कि दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन का दाम जहां सोमवार को 12 फीसदी टूटा था, तो मंगलवार को फिर इसमें 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

बिटक्वाइन का दाम 2,10,852 रुपये कम होकर 18,96,813 रुपये रह गया। इस कीमत पर इस डिजिटल करेंसी का बाजार पूंजीकरण भी बुरी तरह टूटकर 37.6 ट्रिलियन रुपये रह गया है। बिटक्वाइन के साथ ही दुनिया की दूसरी सबसे पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम ने भी लदातार दूसरे दिन अपने निवेशकों को करारा झटका दिया है। इसमें 7.70 फीसदी या 8,515 रुपये की गिरावट आई है और इसका दाम घटकर 1,02,081 रुपये पर आ गया है। इथेरियम का बाजार पूंजीकरण फी कम होकर 12.6 ट्रिलियन रुपये रह गया है।

टेथर समेत टॉप-10 करेंसी लाल निशान पर

मंगलवार को क्रिप्टो बाजार में आई जोरदार गिरावट के बीच सिर्फ टेथर क्वाइन, जो कि बीते कुछ दिनों से बढ़त में दिखाई दे रहा था, वह भी लाल निशान पर पहुंच गया। इसकी कीमत में 0.38 फीसदी या 0.32 रुपये की कमी आई और इसका दाम कम होकर 83.53 रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा बाजार में कारोबार करने वाली टॉप-10 डिजिटल करेंसी गिरावट में कारोबार करती हुई नजर आई।

बिनांस से लेकर डॉजक्वाइन का हाल-बेहाल

टॉप क्रिप्टोकरेंसी में शामिल बिनांस क्वाइन (बीएनबी) का दाम 4.67 फीसदी या 929 रुपये कम होकर 18,965 रुपये पर आ गया, जबकि डॉजक्वाइन की कीमत में 0.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 4.85 रुपये की रह गई। वहीं पोल्काडॉट के दाम में 7 फीसदी, लाइटक्वाइन में 3 फीसदी, तो वहीं शीबा इनु का भाव 4.30 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है।

दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने की तैयारी, 50 अरब डॉलर निवेश करेंगे अदाणी

नई दिल्ली। भारत का अदाणी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जीस संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एक साथ आए हैं। इस संबंध में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड अगले 10 वर्षों में ग्रीन हाइड्रोजन में 50 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। यह प्रारंभिक चरण में साल 2030 से पहले दस लाख टन प्रति वर्ष की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करेगी।

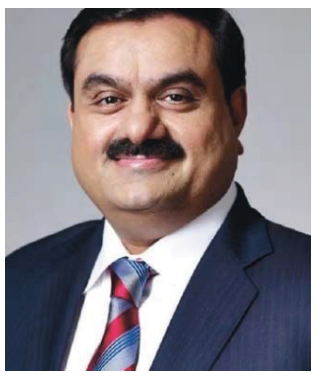

सोने का भाव टूटा, चांदी 60 हजार के नीचे

मुंबई। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन कीमती धातुओं के दाम में फिर गिरावट देखने को मिली है। अगर आप आज आभूषण खरीदने का मन बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले सोने-चांदी के भाव

में आपके शहर में कितनी कमी आई है यह जान लेना फायदेमंद होगा। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोने की कीमत में 0.37 फीसदी की कमी आई और इसका भाव टूटकर 50,477 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया।

चांदी की चमक भी फीकी पड़ी

सोने के दाम में कमी के साथ ही चांदी का भाव भी मंगलवार को टूट गया। इसके भाव में 0.63 फीसदी की गिरावट आई। इसके बाद चांदी की कीमत कम होकर 59,930 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है।

इस तरह जानें अपने शहर का भाव

देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं उसी नंबर पर आपके मैसेज आ जाएगा। इस तरह आप घर बैठे सोने के लेटेस्ट रेट जान लेंगे।

थोक महंगाई दर नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची, मई में 15.88 फीसदी की दर से बढ़ी

नई दिल्ली। एक ओर जहां खुदरा महंगाई के मोर्चे पर देश की जनता को राहत मिली है, तो वहीं थोक महंगाई ने फिर बड़ा झटका दिया है। मई महीने में थोक मुद्रास्फीति दर ने फिर से 15 फीसदी के ऊपर का स्तर कायम रखा है और यह 15.88 फीसदी पर पहुंच गई। गौरतलब है कि अप्रैल महीने में यह 15.08 फीसदी पर रही थी।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले दिनों सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। इसके बाद पेट्रोल के दामों में अधिकतम नौ रुपये और डीजल के दामों में सात रुपये की कमी आई है।

मंगलवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपये व डीजल की कीमत 97.28 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल

94.24रुपये प्रति लीटर है।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं।

पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के विज्ञापनों पर मंत्रालय का रुख सख्त, पाबंदी लगाने के लिए दी सलाह

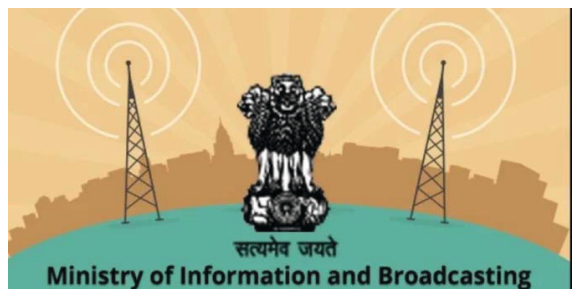

नई दिल्ली। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल और ऑनलाइन मीडिया पर ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों/प्लेटफार्मों के कई विज्ञापनों के प्रदर्शित होने के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। इसको संज्ञान में लेते हुए मंत्रालय ने सलाह जारी की है। हिदायत देते हुए मंत्रालय की ओर से कहा गया कि ऑनलाइन विज्ञापन मध्यस्थों और प्रकाशकों सहित ऑनलाइन और सोशल मीडिया को भारत में ऐसे विज्ञापन प्रदर्शित नहीं करने चाहिए। बयान में भारतीय दर्शकों के लिए ऐसे विज्ञापनों को लक्षित नहीं करने की सलाह दी गई है।

जाज फाइनेंस ने जमा पर ब्याज दर बढ़ाई, उच्च स्तर पर पहुंचेगा तेल आयात

नई दिल्ली। बजाज फाइनेंस लि. ने एफडी पर ब्याज दरों में 0.20 फीसदी तक बढ़ोतरी की है। नईदरें 14 जून से लागू हैं। जिन अवधियों के लिए दरों में वृद्धि हुई है, उनमें 24 माह से 60 माह तक की सावधि जमाएं शामिल हैं। जबकि 44 माह की सावधि जमा इसमें शामिल नहीं है।

ढाई साल के उच्च स्तर पर पहुंचेगा तेल आयात

देश का तेल आयात मई में 49.8 लाख बैरल प्रति दिन के स्तर पर पहुंच सकता है। यह दिसंबर, 2020 के बाद का उच्च स्तर होगा। अप्रैल की तुलना में यह 5-6 फीसदी ज्यादा रहेगा। मई में भारत ने रूस से सबसे ज्यादा आयात किया है।?

कोयला आयात में आ सकती है गिरावट

देश का कोयला आयात चालू वित्तवर्ष में 11.4 फीसदी गिरकर 18.6 करोड़ टन रह सकता है। इसमें 13 करोड़ टन गैर कोकिंग और 5.6 करोड़ टन कोकिंग कोयला होगा। देश में 2021-22 में कुल 21 करोड़ टन कोयला का आयात हुआ था।

केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद मई में घटी खुदरा महंगाई, उपभोक्ताओं को जल्द मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। खाने-पीने का सामान सस्ता होने और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट से मई में खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिली। सरकार की ओर से उत्पाद शुल्क में कटौती करने और आरबीआई के नीतिगत दरों में बढ़ोतरी जैसे कदम से भी उपभोक्ता कीमतों पर आधारित (सीपीआई) महंगाई नीचे आई है। हालांकि, यह अब भी केंद्रीय बैंक के 6 फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर मई, 2022 में कम होकर 7.97 फीसदी पर आ गई। अप्रैल में यह 8.31 फीसदी रही थी। सीपीआई में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी 39.06 फीसदी है।

केंद्र सरकार ने 21 मई को पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 8 रुपये और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर कटौती की थी। इसके बाद 6 राज्यों ने भी वैट में कमी की थी। इससे माल ढुलाई की लागत घटी है, जिससे खुदरा महंगाई में कमी आई है। इसके अलावा, सोयाबीन जैसे खाद्य तेलों पर लगने वाले आयात शुल्क में कटौती की गई है। सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई को दो फीसदी की कमी-वृद्धि के साथ चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है।

सब्जियों की महंगाई बढ़ी

अन्य खाद्य वस्तुओं के दाम घटने के बीच मई में सब्जियों की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। इस दौरान सब्जियों की महंगाई दर 2.85 फीसदी बढ़कर 18.26 फीसदी पर पहुंच गई। अप्रैल में यह दर 15.41 फीसदी रही थी। इसी तरह, आवासीय परियोजनाओं की लागत में इजाफा हुआ है। इन परियोजनाओं की महंगाई दर बढ़कर 3.71 फीसदी पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.47 फीसदी रही थी।

इन उत्पादों की कीमतों में राहत

वस्तु	मई	अप्रैल
अनाज	5.33 फीसदी	5.96 फीसदी
तेल एवं वसा	13.26 फीसदी	17.28 फीसदी
फल	2.33 फीसदी	4.99 फीसदी
दाल	4.2 फीसदी	1.86 फीसदी
ईंधन-बिजली	9.54 फीसदी	10.80 फीसदी
कपड़े-जूते	8.85 फीसदी	9.85 फीसदी

इस साल आरबीआई के दायरे से ज्यादा रही सीपीआई

महीना	दर
जनवरी	6.01 फीसदी
फरवरी	6.07 फीसदी
मार्च	6.95 फीसदी
अप्रैल	7.79 फीसदी
मई	7.04 फीसदी

एलआईसी इस साल एशिया में घाटा देने वाली कंपनियों में दूसरे नंबर पर, शेयर 29 फीसदी टूटा, मार्केट कैप 1.78 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस साल एशिया में सूचीबद्ध हुए शेयरों में घाटा देने के मामले में दूसरे नंबर पर रही है। इसके शेयर ने 29 फीसदी का नुकसान दिया, जबकि दक्षिण कोरिया की एलजी एनर्जी के शेयर में 30 फीसदी की गिरावट आई है। एलआईसी का आईपीओ 949 रुपये पर आया था और शेयर 17 मई को लिस्ट हुआ था, जो सोमवार को 668 रुपये पर बंद हुआ। इश्यू के भाव पर इसका बाजार पूंजीकरण 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा था, लेकिन अब यह 4.22 लाख करोड़ रुपये रह गया है। यानी 1.78 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। पिछले 10 दिन से लगातार इसके शेयरों की पिटाई हो रही है। इसकी तुलना में जनवरी से लेकर अब तक बीएसई का सेंसेक्स केवल 9 फीसदी टूटा है।

पेटीएम में 1.02 लाख करोड़ रुपये का घाटा

पेटीएम के शेयर ने भी निवेशकों को जमकर घाटा दिया

4.22 लाख करोड़ रह गया एलआईसी का बाजार मूल्य

पेटीएम, जोमैटो, नायका ने डुबाए 2.36 लाख करोड़ है। नवंबर में इसका आईपीओ 2,150 रुपये पर आया था और बाजार पूंजीकरण 1.39 लाख करोड़ रुपये था। सोमवार को शेयर 583 रुपये पर बंद हुआ, जो करीबन 72 फीसदी टूटा है। मार्केट कैप 37,828 करोड़ रुपये है। लिस्टिंग पर ही यह शेयर 27 फीसदी टूट गया था।

जोमैटो का शेयर 60 फीसदी टूटा

नवंबर में जोमैटो 169 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसका भी शेयर इश्यू भाव से नीचे अब 67 रुपये पर पहुंच गया है। यानी 60 फीसदी का नुकसान निवेशकों को दिया है। बाजार पूंजीकरण 1.39 लाख करोड़ रुपये से घटकर 53,068 करोड़ रुपये पर आ गया है।

नायका में 40 फीसदी का नुकसान

नायका का शेयर नवंबर में 2,574 रुपये पर था जो अब 40 फीसदी गिरकर 1,458 रुपये पर आ गया है। उस समय बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ रुपये था, जो अब घटकर 69,153 करोड़ रुपये रह गया है। यानी करीबन 49 हजार करोड़ रुपये की कमी आई है।

क्रिप्टो बाजार में 16 महीने की बड़ी गिरावट

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को एक लाख करोड़ डॉलर की गिरावट आई। यह जनवरी, 2021 के बाद 16 महीने की बड़ी गिरावट है। क्रिप्टो बाजार का मूल्यांकन घटकर 926 अरब डॉलर पर आ गया, जो नवंबर, 2021 में बढ़कर 2.9 लाख करोड़ डॉलर के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। बिटकॉइन 10 फीसदी गिरकर 23,750 डॉलर पर आ गया है, जो इसका 18 महीने का निचला स्तर है।

दो और बड़े बैंकों ने दिया अपने ग्राहकों को झटका, ब्याज दरों में किया 20 बेसिस प्वाइंट तक इजाफा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रेपो दरों में इजाफा करने के बाद कई बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी करते हुए कर्ज महंगा कर दिया। अब इस सूची में दो और बड़े बैंकों का नाम जुड़ गया है। जी हां, बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मार्जिनल कॉस्ट लेंडिंग रेट में 10 से 20 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की है। यानी इन बैंक से कर्ज लेना अब महंगा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने एमसीएलआर दर को बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया है, ये बढ़ी हुई दरें 12 जून से प्रभावी मानी जाएंगी। जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बड़ी बढ़ोतरी करते हुए एक साल के लिए एमसीएलआर दर को बदलकर 7.45 फीसदी कर दिया है। नई दरें 11 जून 2022 से लागू होंगी। इस बदलाव के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रात की अवधि के लिए एमसीएलआर 6.80 फीसदी, एक महीने के लिए 7.20 फीसदी, तीन महीने के लिए 7.25 फीसदी, छह महीने के लिए 7.35 फीसदी और एक साल के लिए यह दर 7.50 फीसदी कर दिया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बात करें तो यहां एक रात की अवधि के लिए एमसीएलआर दर 6.70 फीसदी, एक महीने के लिए 6.85 फीसदी, तीन महीने के लिए 7.10 फीसदी, दो साल और तीन साल की अवधि के लोन पर 7.50 फीसदी कर दी गई है। गौरतलब है कि लेंडिंग रेट बढ़ने से होम लोन, पर्सनल लोन, ऑटो लोन समेत सभी तरह के कर्ज महंगे हो जाएंगे और एलसीएलआर में इजाफे से लोन की ईएमआई में इजाफा हो जाता है।

लोन महंगा हुआ लेकिन मांग में कोई कमी नहीं, एसबीआई चेयरमैन ने इकोनॉमी के लिए दिए ये संकेत

नई दिल्ली। बढ़ती महंगाई और ऊंची उधारी लागत के बावजूद भारतीय उद्योग जगत की निवेश योजनाओं में कोई ब्रेक नहीं लगा है। यह एशिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी के गति पकड़ने का संकेत है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि कंपनियां लगातार 71 अरब डॉलर की लोन पाइपलाइन का फायदा उठा रही हैं। देश के सबसे बड़े और 216 साल पुराने लेंडर के प्रमुख ने कहा कि दो साल लगातार क्रेडिट में सुस्ती के बाद आगे लोन ग्रोथ मजबूत रहने का अनुमान है।

तीन साल में सबसे ज्यादा रह सकती है ग्रोथ

मोटे तौर पर ट्रेंड्स से भारत के 120 लाख करोड़ रुपए के बैंकिंग सिस्टम में लोन ग्रोथ तीन साल में सबसे ज्यादा रहने के संकेत मिल रहे हैं। खारा ने कहा, चाहे वर्किंग कैपिटल लोन हों या टर्म लोन हों, डिमांड बढ़ रही है। आयरन और स्टील जैसे सेक्टर्स में कैपेसिटी उपयोग 100 फीसदी बना हुआ है। ऐसे में इस साल यदि मानसून अच्छा रहता है तो हालात और बेहतर रहेंगे। दिलचस्प बात यह है कि फंड्स की कॉस्ट बढ़ने के बावजूद भारत में बिजनेस कॉन्फिडेंस और क्रेडिट डिमांड बढ़ी है। बुधवार को आरबीआई ने महंगाई की चिंताओं को देखते हुए अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर दी थी।

कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो बढ़ाने के लिए बॉन्ड बेचेगा एसबीआई

लोन की मांग बढ़ने का मतलब है कि एसबीआई को अपना कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो बढ़ाना होगा, जो 2 फीसदी की न्यूनतम नियामकीय जरूरत से कम है। बैंक का कुल कैपिटल बफर 13.8 फीसदी के स्तर पर है, जो देश के टॉप लेंडर्स में सबसे कम है। खारा ने कहा कि कैपिटल बेस बढ़ाने के लिए SBI बॉन्ड बेचेगी।

आईसीसी महिला रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने लगाई छलांग

दुबई (एजेंसी)।

दुबई = दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लारा गुडॉल और कप्तान सुने लुस ने डबलिन में अपनी आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के शुरुआती मैच में आयरलैंड पर नौ विकेट से जीत के बाद आईसीसी महिला एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। बाएं हाथ की बल्लेबाज गुडऑल नाबाद 32 रन बनाकर बल्लेबाजों में नौ पायदान ऊपर 58वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दूसरी ओर ऑलराउंडर लुस ने अपनी लेग स्पिन गेंदबाजी की बदौलत 16 रन पर तीन विकेट हासिल किए और गेंदबाजों की सूची में सात स्थान आगे बढ़कर 39वां स्थान हासिल किया। इसके अलावा गुडऑल के साथ 55 रन की अटूट साझेदारी करते हुए नाबाद 21 रन की पारी खेलने वाली सलामी बल्लेबाज एंड्री स्टेन ने मंगलवार को महिला खिलाड़ी रैंकिंग के नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में संयुक्त-83वें स्थान पर जगह बनाई।

आयरलैंड की नई गेंद की गेंदबाज जेन मैग्वायर चार पायदान के फायदे से संयुक्त 83वें स्थान पर हैं डबलिन में जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला चैम्पियनशिप के पहले दो अंक हासिल कर लिए। चैम्पियनशिप की शुरुआती श्रृंखला में श्रीलंका पर 2-1 की जीत के बाद पाकिस्तान के पास वर्तमान में चार अंक जबकि श्रीलंका के पास दो अंक हैं।

फीडे महिला स्पीड चैस - विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियन बीबिसारा को हराकर वैशाली क्वाटर फाइनल में

चेन्नई (एजेंसी)।

फीडे फीडे महिला स्पीड चैस टूर्नामेंट के मुख्य चरण के पहले प्ले ऑफ मुक़ाबले में भारत की आर वैशाली नें बेहतरीन परिणाम हासिल करते हुए कजाकिस्तान की वर्तमान विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज चैम्पियन बीबिसारा अस्सौबाएवा को पराजित कर दिया है और साथ ही अंतिम 8 में सबसे पहले जगह बना ली है। वैशाली नें बेस्ट ऑफ थ्री सेट में खेले गए कुल 24 मुकाबलों में 13-11 से जीत हासिल करते हुए क्वाटर फाइनल में जगह बनाई।

सबसे पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच 5 मिनट +1 सेकंड के 8 मुक़ाबले हुए जिसमें वैशाली नें 5-2 से जीत हासिल की और बढ़त बना ली।

इसके बाद दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच 3 मिनट +1 सेकंड के 8 मुक़ाबले हुए जिसमें वैशाली नें 4.5-3.5 से जीत हासिल की और 9.5-5.5 से बढ़त बना ली और उन्हे जीत के लिए अब कम से कम 3.5 अंको की जरूरत रह गयी।

तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच 1 मिनट +1 सेकंड के 8 मुक़ाबले हुए और इस बार बीबिसारा नें वापसी की जोरदार कोशिश की पर वह वैशाली को जरूरी 3.5 अंक बनाने से नहीं रोक सकी। बीबिसारा 5.5-3.5 से से सेट तो जीत गयी पर वैशाली 13-11 से प्ले ऑफ जीतने में सफल रही।

रणजी ट्रॉफी : हिमांशु मंत्री का नाबाद शतक, मध्य प्रदेश ने 6 विकेट गंवाकर बनाए 271 रन

बैंगलुरु (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज हिमांशु मंत्री (नाबाद 134) के शानदार शतक से मध्य प्रदेश ने बंगाल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन मंगलवार को छह विकेट पर 271 रन बना लिए। मध्य प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन उसकी शुरुआत खराब रही और 97 रन तक जाते-जाते उसने अपने चार विकेट गंवा दिए।

नाजुक स्थिति में हिमांशु ने मोर्चा संभाला और अक्षत रघुवंशी के साथ पांचवें विकेट के लिए 123 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। आकाशदीप ने रघुवंशी को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। रघुवंशी ने 81 गेंदों में आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 63 रन बना। हिमांशु फिर सारांश जैन (17) के साथ टीम के स्कोर को 259 रन तक ले गए।

आकाशदीप ने सारांश को बोल्ड कर 39 रन की यह साझेदारी तोड़ी। सारांश ने 32 गेंदों पर 17 रन में दो चौके लगाए। दिन का खेल 86 ओवर के बाद समाप्त करना पड़ा। हिमांशु 280 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 134 रन बनाकर मध्य प्रदेश की पारी को संभाले हुए थे। उनके साथ पुनीत दाते नौ रन बनाकर क्रीज पर हैं।

आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया के कोच होंगे वीवीएस लक्ष्मण, इंग्लैंड में टेस्ट टीम से जुड़ेंगे राहुल द्रविड़

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

टीम इंडिया से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक आयरलैंड के संक्षिप्त दौरे पर टीम इंडिया के हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण होंगे। इसके साथ ही इस दौरे पर टीम इंडिया के साथ नया सपोर्ट स्टाफ भी होगा। वर्तमान में लक्ष्मण राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कोच सीतांशु कोटक, साईराज बहुतुले और मुनीश बाली आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। कोटक पहले भी भारत ए टीम की प्रणाली का हिस्सा रह चुके है। वह बल्लेबाजी कोच होंगे, जबकि बाली क्षेत्ररक्षण और बहुतुले गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। ये दोनों इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज में भारत-19 टीम के विश्व कप अभियान का हिस्सा थे।

आपको बता दें कि आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया को 28 और 28 जून को दो मैच खेलने है। वहीं, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम के अन्य सीनियर सहयोगी सदस्यों के साथ इस सप्ताह के अंत में टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। बाली, कोटक और बहुतुले की तिकड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रही टीम से पहले ही जुड़ गए हैं। बीसीसीआई के मुताबिक सीनियर सहयोगी सदस्यों के इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने के बाद बाली, कोटक और बहुतुले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के आखिरी दो मैचों (राजकोट और बेंगलुरु) के दौरान राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी साथ होगी।'' उन्होंने कहा, ''वे पहले से ही सीमित ओवरों की टीम के साथ है और जब सीनियर सहयोगी सदस्य इंग्लैंड जायेंगे तो वे अपनी भूमिका के लिए तैयार रहेंगे।

आयरलैंड श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन यह संक्षिप्त दौरा भारत के इंग्लैंड दौरे के साथ होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से

आगे है और श्रृंखला का पांचवां मैच एक जुलाई से होगा। इस मैच से पहले टीम लीसेस्टरशर के खिलाफ 24 से 27 जून तक अभ्यास मैच खेलेगी। भारत आयरलैंड के खिलाफ मुख्य रूप से टी20 विशेषज्ञों की एक टीम उतारेगा, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर खेली जाने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में मजबूत भारतीय टीम मैदान में उतरेगी। सात जुलाई से शुरू होने वाले इस श्रृंखला में तीन टेस्ट और इतने ही टी20 मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी।

चोटिल हुए पूर्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे, सिंच चैम्पियनशिप से बाहर

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने सोमवार को घोषणा की कि वह पेट की चोट के कारण लंदन के क्वीन्स क्लब में होने वाली सिंच चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। 35 वर्षीय मरे क्वीन्स क्लब में सोमवार को मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन संबोधित करने वाले थे। मरे के न आने पर आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सूचना दी कि वह विम्बलडन चैम्पियनशिप से पहले होने वाले ग्रास-कोट टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता और पांच बार के क्वीन्स विजेता मरे ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'आज दोपहर एक स्कैन करवाने के बाद पता चला है कि मैं इस साल क्वीन्स में हिस्सा नहीं ले सकूंगा। यह प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत मायने रखती है और इसमें हिस्सा न ले पाना निराशाजनक है।'

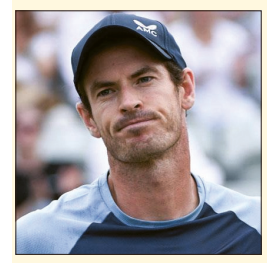

आईपीएल मीडिया अधिकार : बीसीसीआई को अब तक 46000 करोड़ की बंपर कमाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के टीवी और डिजिटल अधिकारों के जरिये बीसीसीआई को 44075 करोड़ रूपये की कमाई होना तय है जिससे खेल जगत में यह सबसे अमीर लीग में से एक हो जायेगी। अब तक मिली सूचना के अनुसार 2023 से 2027 के बीच 410 आईपीएल मैचों के लिये पैकेज ए (भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी अधिकार) 23575 करोड़ रूपये में बिके हैं यानी प्रति मैच 57 . 5 करोड़ रूपये। भारतीय उपमहाद्वीप के लिये डिजिटल अधिकार 50 करोड़ रूपये प्रति मैच बिके हैं जिसे बोली लगाने वाले एक पक्ष ने पैकेज ए पाने वाले की चुनौती का सामना करके खरीदा। पैकेज बी से 20500 करोड़ रूपये मिले हैं यानी दो पैकेज बेचने के बाद बीसीसीआई की झोली में 44075 करोड़ रूपये आये। दूसरे दिन नीलामी रूकने तक पैकेज सी के लिये दो हजार करोड़ रूपये की बोली लग चुकी थी। अब तीसरे दिन इसके आगे से बोली लगेगी। बोर्ड को अब तक 46000 करोड़ रूपये की कमाई हो चुकी है जो 2018 में मिले 16347 करोड़ रूपये से ढाई गुना ज्यादा है। टीवी के लिये बेसप्राइस 49 करोड़ रूपये और डिजिटल अधिकारों के लिये 33 करोड़ रूपये थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा ,'' हम 5.5 अरब डॉलर के करीब पहुंच रहे हैं। डिजिटल अधिकारों के लिये प्रति मैच 50 करोड़ रूपये मिलना बड़ी बात है। आज नीलामी छह बजे खत्म हुई और हम अभी पैकेज सी पर है जिसमें पांच साल के लिये 98 मैचों के 'नॉन एक्सक्लूजिव' डिजिटल अधिकार शामिल हैं। इसके बाद पैकेज डी आयेगा जो विदेशी टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिये है।

पीवी सिंधू और बी साई प्रणीत इंडोनेशिया ओपन से बाहर

जकार्ता। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार को यहां चीन की ही बिंग जियाओ से सीधे गेम में हारकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के पहले दौर से बाहर हो गईं। सातवीं वरीयता प्राप्त सिंधू को महिला एकल में बिंग जियाओ से 14-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से बिंग जियाओ का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 10-8 हो गया है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू इस सत्र में केवल दो खिताब ही जीत पाई है। इस हार से उनकी अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर असर पड़ेगा। बी साई प्रणीत भी पुरुष एकल में डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस से 16-21, 19-21 से हार गए। ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। यह भारतीय जोड़ी हांगकांग की चांग टाक चिंग और एनजी विंग युंग होंग की जोड़ी से केवल 32 मिनट में 14-21, 11-21 से हारकर बाहर हो गई। सिंधू ने बिंग जियाओ के खिलाफ धीमी शुरुआत की। चीनी खिलाड़ी ने जल्द ही 9-2 से बढ़त हासिल कर ली और ब्रेक तक वह 11-4 से आगे थी। सिंधू ने इसके बाद लगातार चार अंक बनाए लेकिन बिंग जियाओ ने आगे उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया। बिंग जियाओ ने दूसरे गेम में भी 5-1 की बढ़त हासिल की। सिंधू ने मुकाबला करीबी बनाने की कोशिश की लेकिन वह चीनी खिलाड़ी को जीत से नहीं रोक पाई।

पाकिस्तान सकारात्मक क्रिकेट खेल रहा है : बाबर आजम

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई सीरीज उतनी आसान नहीं थी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ मुल्तान के गर्म मौसम के कारण था, बल्कि इसके अलावा भी और कई कारण थे। यह सीरीज पहले दिसंबर में होने वाली थी। उसके बाद इस सीरीज़ की तारीख में बदलाव किया गया और इसका आयोजन अभी किया गया। पाकिस्तान के लिए इस सीरीज का कोई खास मायने नहीं था। बस दोनों टीमें सुपर लीग के प्वाइंट के लिए खेल रही थी। पाकिस्तान अगर इस सीरीज को 3-0 से नहीं जीतता तो उन्हें निराशा होती।

वेस्टइंडीज को विदेशी धरती पर वनडे सीरीज जीते एक अरसा हो गया है। पाकिस्तान ने जब इस सीरीज को जीता तो उनकी प्रतिक्रिया काफी सामान्य थी। पाकिस्तान की मौजूदा टीम अपनी कमजोरियों पर लगातार ध्यान दे रही है और अभी भी उनकी टीम में कुछ दिक्कतें हैं जो वह दूर करना चाह रहे होंगे। सीरीज जीतने के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा, 'हमारी टीम ने खेल के तीनों क्षेत्रों

में बढ़िया प्रदर्शन किया। तीनों मैचों को जीतने के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों ने योगदान दिया। टीम में एकता की शुरुआत ड्रेसिंग रूम से होती है और हमें अपने खिलाड़ियों को विश्वास दिलाना होता है कि वह टीम में रहते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। एक खिलाड़ी हमेशा चाहता है कि उसे उचित मौका मिले और उसका सही इस्तेमाल किया जाए। हमारी टीम हमेशा मैदान के अंदर और बाहर एक साथ रहती है और यही हमारी सफलता का राज है।'

उन्होंने कहा, 'हमने इस बारे में बात की कि हमें अलग तरह से अपने खेल को आगे बढ़ाने की जरूरत क्यों है। हमने सक्रिय और सकारात्मक क्रिकेट खेला है, लोगों ने कहा कि हम 350 का पीछा नहीं कर सकते हैं। हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया और हमारी गेंदबाजी ने कई बार कम स्कोर का बचाव भी किया। उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। 100 प्रतिशत देने पर भी आपको हमेशा परिणाम नहीं मिलता है। कभी-कभी आपको यह स्वीकार करना पड़ता है कि आप जो चाहते हैं उसे निष्पादित नहीं किया जा सकता है। मैं केवल अपनी टीम से प्रयास की मांग कर सकता हूं। वे ऐसा कर रहे हैं, और इसलिए हमें परिणाम भी मिल रहे हैं।' टीम के कमियों के बारे में बात करते हुए बाबर ने कहा, 'हमें अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। हम अभी भी बीच के ओवरों में काफी विकेट खो रहे हैं, जो हमें कभी-कभी मैच में बैकफुट पर धकेल देता है। यहां खिलाड़ियों को बेहतर एकाग्रता की आवश्यकता है। हमें इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। हमारे क्षेत्ररक्षण में सुधार हुआ है लेकिन हमें इस पर और काम करना होगा।'

बीसीसीआई ने पूर्व क्रिकेटरों, अंपायरों की पेंशन बढ़ायी

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों को बड़ी राहत देते हुए उनकी पेंशन को बढ़ा दिया है। यह बढ़ोतरी एक जून 2022 से प्रभावी हो गयी है। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह अत्यंत अहम है कि हम अपने पूर्व क्रिकेटरों की आर्थिक हालत का ध्यान रखें। बोर्ड के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि उनके खेलने के दिन समाप्त होने के बाद उनका साथ दें क्योंकि अंपायर खेल के नायक रहे हैं और इसी लिए बीसीसीआई उनके योगदान को महत्व देता है। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि हमारे पूर्व एवं वर्तमान क्रिकेटरों का कल्याण ही सर्वोच्च प्राथमिकता है, और पेंशन राशि बढ़ाना इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। बीसीसीआई क्रिकेट में अंपायरों के योगदान को समझता है। उनकी मेहनती सेवाओं के लिए आभार व्यक्त करने का यह एक अच्छा तरीका है। शाह ने कहा कि इस योजना के तहत लगभग 900 कर्मियों को लाभ मिलेगा, जिसमें 75 फीसदी से अधिक लाभार्थियों को 100 फीसदी वृद्धि मिलेगी।

बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा कि बीसीसीआई आज जो कुछ भी है, वह अपने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों के योगदान से ही है। इसलिए हमें उनकी मासिक पेंशन में वृद्धि की घोषणा से बेहद खुशी हुई है।

भारत ने फिलीपीन्स को हराकर एएफसी एशियाई कप के लिए किया क्वालीफाई

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम ने मंगलवार को फलस्तीन की उलानबटोर में खेले गए ग्रुप बी के मैच में फिलीपीन्स पर जीत से एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) एशियाई कप फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया। इस परिणाम का मतलब है कि फलस्तीन ने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण 24 टीम के फाइनल्स के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया जबकि चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज होने के बावजूद फिलीपीन्स बाहर हो गया। छह क्वालीफाईंग ग्रुप में से केवल शीर्ष पर रहने वाली टीम ही सीधे क्वालीफाई करती हैं। इसके अलावा अपने ग्रुप में दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम को भी आगे बढ़ने का मौका मिलता है। भारत के ग्रुप डी में छह अंक हैं और वह गोल अंतर में हांगकांग से पीछे दूसरे स्थान पर है। उसने अपने आखिरी ग्रुप मैच से पहले ही क्वालीफाई कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि भारत ने लगातार दूसरी बाद एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है। वह 2019 में ग्रुप लीग से बाहर हो गया है। भारत ने कुल मिलाकर पांचवीं बार - 1964, 1984, 2011, 2019 और अब 2023 में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिये क्वालीफाई किया।

महिला रैसलर पेजे ने संन्यास लिया

वाशिंगटन । महिला रैसलर पेजे ने डब्ल्यूडब्ल्यूई मुकाबलों से संन्यास ले लिया है। पेजे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा कि मैं बहुत आभारी हूं कि कंपनी ने मुझे खेलने का मौका दिया। मैं हमेशा उस कंपनी की सराहना करूंगी जिसने एक 18 वर्षीय ब्रिटिश लड़की को मौका दिया। उन्होंने मुझे एक सुपरस्टार की तरह महसूस कराया। मुझे पता है कि मेरी गर्दन की चोट के बाद मुझे रिंग से बाहर होना पड़ा। जब तक हो सका तब तक आपने मुझे अपने पास रखा। इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं।

पेजे ने डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स को धन्यवाद दिया, उन्हें प्रशंसकों का सबसे भावुक समूह बताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह उनका अनुसरण करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यहां से जाना काफी कठिन है। पेजे 13 साल की उम्र में रिंग में उतर गई थीं। 2011 में उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ अनुबंध किया लेकिन 2014 में पहली बार मंच पर आई। वह 21 साल की उम्र में सबसे कम उम्र की दिवस चैम्पियनशिप विजेता बन गईं। अपने करियर के दौरान वह गर्दन की चोट से परेशान रही। 2016 में सर्जरी के बाद 2017 में फिर से उन्हें चोट लगी। इसके बाद उन्होंने रिंग से संन्यास ले लिया। पेजे डब्ल्यूडब्ल्यूई के रियालिटी शो टोटल दिवा में भी भूमिका निभाई थी।

विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन बोलीं, किसी समुदाय का नहीं, देश का प्रतिनिधित्व करती हूं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने कहा कि वह किसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने की जगह भारत का प्रतिनिधित्व करती है। जरीन से सोमवार को यहां पूछा गया कि लोग कड़ी मेहनत और रिंग में उपलब्धियों से ज्यादा उनकी धार्मिक पृष्ठभूमि के बारे में बात करते है तो उन्होंने कहा कि उनके लिए हिन्दू-मुस्लिम मायने नहीं रखता। रूढ़िवादी समाज से ताल्लुक रखने वाली जरीन को मुक्केबाजी में करियर बनाने के लिए सामाजिक पूर्वाग्रहों से निपटना पड़ा लेकिन इस 25 साल की खिलाड़ी ने स्पष्ट किया कि वह किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं भारत के लिए खेलती और जीतती है।

उन्होंने कहा, '' एक खिलाड़ी के तौर पर मैं भारत का प्रतिनिधित्व करती हूं। मेरे लिए हिंदू-मुस्लिम मायने नहीं रखता है। मैं किसी समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करती हूं, मैं देश का प्रतिनिधित्व करती हूं और देश के लिए पदक जीतकर खुश हूं।'' इंडियन वुमैन प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) द्वारा आयोजित बातचीत में जरीन ने बड़े स्तर पर 'मानसिक दबाव' से निपटने के मामले में भारतीय खिलाड़ी थोड़े पीछे है और वैश्विक मंच पर अच्छा करने के लिए इसमें प्रशिक्षण की जरूरत है। भारतीय खिलाड़ी नियमित आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन करते है लेकिन ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े मंच पर लड़खड़ा जाते हैं। निकहत से जब पूछा गया कि भारतीय मुक्केबाजों में कहां कमी है, तो उन्होंने कहा, '' भारतीय मुक्केबाज बहुत प्रतिभाशाली हैं, हम किसी से कम नहीं हैं। हमारे पास ताकत, गति और जरूरी कौशल के साथ सब कुछ है।''

उन्होंने कहा, '' बस एक बार जब आप उस (विश्व) स्तर पर पहुंच जाते हैं, तो मुक्केबाजों को मानसिक दबाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।'' तेलंगाना की इस 25 साल की मुक्केबाज ने कहा, ''बड़े मंच पर पहुंचने के बाद बहुत सारे खिलाड़ी दबाव में आ जाते हैं और वे प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं।'' पिछले महीने 'फ्लाईवेट' स्पर्धा में विश्व चैम्पियन बनी जरीन ने 28 जुलाई से शुरू हो रहे बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भी भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। जरीन के भार वर्ग में दिग्गज मैरीकॉम के होने के कारण उन्हें अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्होंने कहा कि

इससे खेल में अच्छा करने की उनकी ललक और बढ़ी है। इस मुक्केबाज कहा, '' सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि इस भार वर्ग के अन्य मुक्केबाजों भी मौके की तलाश में थे, लेकिन आपको इसके लिए साबित करना होता है और मैंने विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतकर ऐसा किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

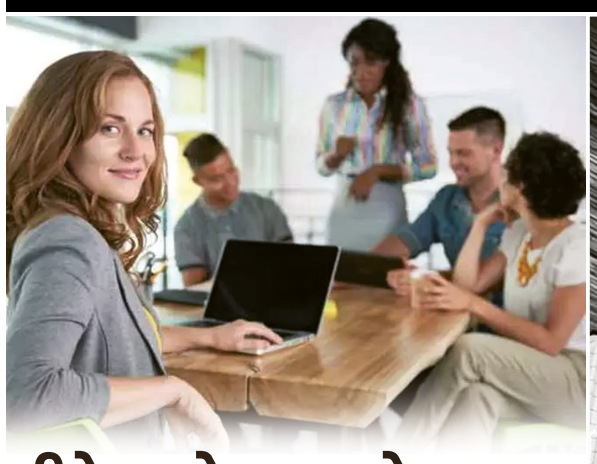

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड,

वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

यूक्रेन के पिकनिक स्पॉट पर मिली सामूहिक कब्रें, दुनियाभर में हो रही तीखी प्रतिक्रिया

बुका। कभी चीड़ के वृक्षों की सुंदरता और पक्षियों के चहचहाने के लिए पहचाने जाने वाले यूक्रेन के एक जंगल से अब लाशों के ढेर मिल रहे हैं। राजधानी कीव के बाहरी इलाके में बुका शहर के समीप जंगल से एक और सामूहिक कब्र मिली है। कई मृतकों के हाथ उनकी कमर के पीछे बंधे मिले हैं। इन कब्रों को खोदने का काम ऐसे वक्त में हो रहा है जब यूक्रेन के पुलिस प्रमुख ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्राधिकारियों ने 24 फरवरी को रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से 12,000 से अधिक लोगों की हत्याओं की आपराधिक जांच शुरू की है। सफेद रंग के चिकित्सीय कपड़े पहने और मास्क लगाए कामगारों ने फावड़े की मदद से वन की मिट्टी से शवों को निकालना शुरू किया। कपड़े और धूल से ढके शवों पर मक्खियां भिनभिनाने लगी। कीव क्षेत्रीय पुलिस के प्रमुख एंड्री नेबीतोव ने घटनास्थल पर कहा, ''घुटनों पर गोलियों के निशान हमें बताते हैं कि लोगों को कितना प्रताड़ित किया गया। टेप से पीठ पर बांधे गए हाथ बताते हैं कि लोगों को लंबे वक्त तक बंधक बनाकर रखा गया और शत्रु सेना ने उनसे कोई भी सूचना निकालने का प्रयास किया।'' क्षेत्र से मार्च के अंत तक रूसी सैनिकों की वापसी के बाद से प्राधिकारियों ने बताया कि उन्होंने वन में तथा अन्य जगहों से सामूहिक कब्रों में 1,316 लोगों के शव बरामद किए हैं। बुका में सामूहिक कब्रें मिलने के बाद दुनियाभर में तीखी प्रतिक्रिया देखी गयी थी।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत, 4 घायल

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में रविवार को एक पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के प्रवक्ता जाडेर चावेस ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। जांचकर्ता अभी यह पता नहीं लगा पाए गए हैं कि लॉस एंजिलिस के बॉयल हाइट्स में रविवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुई गोलीबारी के पीछे मकसद क्या था। चावेस ने बताया कि दो अन्य घायलों की हालत स्थिर है और घायल हुए चौथे व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जब घटनास्थल पर पहुंचे, तब उन्होंने दो लोगों को मृत पाया और तीसरे व्यक्ति को बाद में इलाज के दौरान मृत घोषित किया गया।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दूसरी बार कोरोना से संक्रमित, ट्वीट कर कही यह बात

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दूसरी बार कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ व्यक्तिगत रूप से हुई मुलाकात के कुछ दिनों बाद खुद के कोरोना वायरस की चपेट में आने की जानकारी दी है। ट्रूडो ने सोमवार को एक ट्वीट के जरिये खुद के एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि की। इस ट्वीट में उन्होंने सभी से कोविड-19 रोधी टीका लगवाने की अपील की। कनाडाई प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं और इसकी वजह यह है कि उन्होंने टीका लगवा रखा है। ट्रूडो हाल में लॉस एंजिलिस में आयोजित 'समिट ऑफ द अमेरिका' शिखर सम्मेलन में बाइडेन सहित अन्य विश्व नेताओं से मिले थे। बाइडन ने शुक्रवार को ट्रूडो के साथ ली गई एक तस्वीर साझा की थी। कनाडाई प्रधानमंत्री इससे पहले जनवरी में कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आए थे।

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स की आहट, 470 केस सामने आए

-अधिकांश मामलों में समलैंगिक पुरुष संक्रमित

लंदन । कोरोना की दहशत अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई और अब मंकीपॉक्स वायरस ने दुनिया को भयभीत कर दिया है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में मंकीपॉक्स के 104 अन्य मामलों का पता लगाया है और इसके मामले अब अफ्रीका से बाहर भी सामने आ रहे हैं। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को कहा कि अब देशभर में मंकीपॉक्स के 470 मामले सामने हैं, जिनमें से अधिकांश समलैंगिक या 'बाइसेक्सुअल' पुरुषों में हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कोई भी व्यक्ति संक्रमण की चपेट आ सकता है अगर वह मंकीपॉक्स से संक्रमित किसी व्यक्ति के शारीरिक संपर्क में आता है। ब्रिटेन के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 99 प्रतिशत संक्रमण के मामले पुरुषों में हुए हैं और अधिकांश मामले लंदन में हैं। पिछले हफ्ते, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा था कि 28 देशों से मंकीपॉक्स के 1,285 मामले सामने आए हैं, जहां मंकीपॉक्स को स्थानिक नहीं माना जाता था। अफ्रीका के बाहर कोई मौत की सूचना नहीं मिली है। ब्रिटेन के बाद सबसे ज्यादा मामले स्पेन, जर्मनी और कनाडा में सामने आए हैं। यह बीमारी चेचक से संबंधित है, जिसने 1980 में खत्म होने से पहले हर साल दुनिया भर में लाखों लोगों की जान ले ली थी। हालांकि मंकीपॉक्स, जो निकट संपर्क से फैलता है, बहुत कम गंभीर होता है, जिसमें आमतौर पर तेज बुखार और चिकनपॉक्स जैसे दाने होते हैं जो कुछ हफ्तों में साफ हो जाते हैं। चेचक के लिए विकसित टीके मंकीपॉक्स को रोकने में लगभग 85 प्रतिशत प्रभावी पाए गए हैं। मंकीपॉक्स के लिए मृत्यु दर आमतौर पर काफी कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मंकीपॉक्स आमतौर पर बुखार, दाने और गांठ के जरिये उभरता है और इससे कई प्रकार की चिकित्सा जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। रोग के लक्षण आमतौर पर दो से चार सप्ताह तक दिखते हैं, जो अपने आप दूर होते चले जाते हैं। मामले गंभीर भी हो सकते हैं। हाल के समय में, मृत्यु दर का अनुपात लगभग 3-6 प्रतिशत रहा है, लेकिन यह 10 प्रतिशत तक हो सकता है। संक्रमण के वर्तमान प्रसार के दौरान मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंकीपॉक्स किसी संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क के माध्यम से या वायरस से दूषित सामग्री के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। ऐसा माना जाता है कि यह चूहों, चूहियों और गिलहरियों जैसे जानवरों से फैलता है।

चीन में कोरोना संक्रमण का वाहक बना नाइटक्लब, बीजिंग में लगी नई पाबंदियां

बीजिंग । कोविड-19 के संक्रमण से चीन का पीछा नहीं छूट रहा है यहां की राजधानी बीजिंग में एक नाइटक्लब कोरोना के घातक वायरस का वाहन बन गया है। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर एक जिले के स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने को कहा गया है। वहीं, शंघाई में पिछले दो महीने से अधिक समय से लागू लॉकडाउन को हटा लेने के बाद शहर के हालात सामान्य हो रहे हैं। बीजिंग के 'हेवन सुपरमार्केट क्लब' में गुरुवार को एक संक्रमित व्यक्ति आया था जिसके बाद इस क्लब में आए 228 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 180 संक्रमित ग्राहक हैं जबकि चार कर्मचारी और बाकी 44 लोग बाद में इन संक्रमितों के संपर्क में आये लोग हैं। प्रशासन ने क्लब से सटे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य प्रतिष्ठानों समेत पूरे इलाके को अगले नोटिस तक बंद रखने का आदेश दिया है। क्लब के कारण फैले संक्रमण के चलते प्रशासन ने चाओयांग जिले के सभी स्कूलो को केवल ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने का निर्देश दिया है। हालांकि, माध्यमिक कक्षाओं में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इससे छूट दी गई है। प्रशासन ने शहर में किसी भी तरह की खेल गतिविधियों पर भी रोक लगा दी है।

बांग्लादेश में बढ़ती रोहिंग्या शरणार्थियों की आबादी बन रही सरकार के लिए परेशानी का सबब

कॉक्स बाजार । बांग्लादेश में बढ़ती रोहिंग्या शरणार्थियों की आबादी यहां की शेख हसीना सरकार के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। म्यांमार में वर्ष 2017 में सैन्य तख्ता पलट के बाद बड़ी संख्या में भागकर बांग्लादेश पहुंचे शरणार्थियों का खुले दिल से स्वागत करने वाली सरकार पांच वर्षों में रोहिंग्या संकट का समाधान नहीं निकलता देख अब दबाव महसूस कर रही है। देश में रह रहे रोहिंग्याओं की आबादी जहां तेजी से बढ़ रही है वहीं, उनसे जुड़े अपराधों की रफ्तार भी बेहद तेज है। स्थानीय आबादी की एक फीसदी की वृद्धि दर के मुकाबले रोहिंग्या आबादी की वृद्धि दर पांच फीसदी है। वहीं, कॉक्स बाजार क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में अपराधों में भी लगभग सात गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चटगांव डिविजन के कॉक्स बाजार जिले में रोहिंग्या शिविर के दौरे के दौरान वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों से बातचीत में यह स्थिति सामने आई। एक अधिकारी ने को बताया कि कॉक्स बाजार क्षेत्र में पिछले पांच साल में चोरी, हत्या, डकैती, दुष्कर्म, मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आपराधिक गतिविधियां करीब सात गुना बढ़ी हैं। साल 2017 में इस तरह के अपराध के 76 मामले सामने आए थे और इसमें 159 अपराधी गिरफ्तार किए गए थे, वहीं, 2021 में अपराधों की संख्या 507 हो गई, जबकि 1024 आरोपी गिरफ्तार किए गए। अधिकारी ने बताया कि पिछले छह माह में रोहिंग्याओं से मादक पदार्थ 'याबा' के 1,55,65,244 टुकड़े, जबकि 14.8 किलोग्राम मादक पदार्थ 'आईस' व सोना पकड़ा गया। उन्होंने दावा किया कि म्यांमार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी बांग्लादेश-भारत के साथ इस पूरे क्षेत्र के लिये खतरा है। गौरतलब है कि भारत, बांग्लादेश के साथ 4095 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जिसमें 1116 किलोमीटर नदी क्षेत्र है। अधिकारी ने बताया कि रोहिंग्या शरणार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच भी संघर्ष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों में महंगाई और अपने रोजगार पर असर के लिए शरणार्थियों को जिम्मेदार मानने की भावना में इजाफा हुआ है। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर अधिकारी ने बताया कि 2017 के मुकाबले दैनिक मजदूरी में 50 फीसदी की कमी आई है।

लंदन में गृह मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करते हुए लोग। ये शरण मांगने वालों को वापस भेजने का विरोध कर रहे थे।

भारत ने पीकेन पर उच्च शुल्क लगाया, भड़क उठे अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन । भारत की ओर से पीकेन पर उच्च शुल्क लगाने के बाद अमेरिकी सांसद जॉन ओसोफ ने अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के समक्ष मुद्दा उठाकर इस पर आपत्ति जाहिर की। सीनेटर के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। कार्यालय की ओर से बयान में कहा गया कि भारत द्वारा पीकेन (एक प्रकार के अखरोट) पर लगाए गए उच्च शुल्क का मामला जॉर्जिया के सीनेटर ओसोफ ने पिछले हफ्ते संधू के साथ ऑनलाइन बैठक के दौरान उठाया। जॉर्जिया के किसानों की जरूरतों पर बात करते हुए ओसोफ ने भारत के पीकेन पर उच्च शुल्क लगाने पर आपत्ति जाहिर की, क्योंकि इससे इन किसानों को नुकसान पहुंच रहा है। ये किसान पीकेन का अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात करते हैं। बयान के अनुसार, '' सीनेटर ओसोफ और राजदूत संधू अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों में सुधार के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। इस महीने की शुरुआत में, सीनेटर जॉन ओसोफ ने जॉर्जिया की टिफ्ट और टर्नर काउंटी में पीकेन किसानों से बात की थी, जिन्होंने भारत की ओर से लगाये गये उच्च शुल्क पर चिंता जतायी थी। बयान के अनुसार, अमेरिका के कुल पीकेन का एक तिहाई उत्पादन जॉर्जिया में होता है।

सातवां परमाणु परीक्षण करने की तैयारी में उत्तर कोरिया, अमेरिका भड़का

वाशिंगटन (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के शीर्ष राजनयिक ने मंगलवार को दावा किया कि उत्तर कोरिया ने एक नए परमाणु परीक्षण की तैयारी पूरी कर ली है और देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिये गये राजनीतिक निर्णय ही इसे रोका जा सकता है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन से यहां बातचीत के बाद दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन ने कहा कि उत्तर कोरिया अगर इस दिशा में आगे बढ़ता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। संदेह है कि वह आने वाले दिनों में सातवां परमाणु परीक्षण कर सकता है।

पार्क ने कहा, '' उत्तर कोरिया ने एक और परमाणु परीक्षण की तैयारी पूरी कर ली है और मुझे लगता है अब केवल एक राजनीतिक फैसला किया जाना है।'' इससे पहले, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने कहा था कि उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण की तैयारी पूरी करने के करीब है। पार्क ने कहा, '' अगर उत्तर कोरिया एक और परमाणु परीक्षण करता है, तो मुझे लगता है कि इससे केवल हमारी जवाबी कार्रवाई बढ़ेगी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध भी बढ़ाए जाएंगे।''

प्रतिबंधों के अलावा पार्क ने नहीं बताया कि उत्तर कोरिया को इसकी और क्या कीमत चुकानी पड़ेगी और ना ही संबंध में कोई विस्तृत जानकारी दी कि कोई अवरोध नीति उसे कैसे रोक सकती है। हालांकि, ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दक्षिण कोरिया तथा जापान जवाबी कार्रवाई के रूप में अपनी सेना की तैनाती में महत्वपूर्ण फेरबदल करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ''दबाव बना रहेगा, यह जारी रहेगा और जैसा उचित होगा, इसे बढ़ाया जाएगा।'' पार्क और ब्लिंकन दोनों ने जोर देकर कहा कि उत्तर कोरिया के लिए बिना किसी पूर्व शर्त के वार्ता का रास्ता खुला है।

सऊदी अरब को पछाड़ रूस बना भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सऊदी अरब को पछाड़कर रूस अब भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। इराक सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि यूक्रेन युद्ध के बाद भारी छूट पर उपलब्ध रूसी कच्चे तेल को देश की रिफाइनिंग कंपनियों ने खरीदना शुरू कर दिया है। भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने मई में लगभग 2.5 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदा था।

यह भारत के कुल कच्चा तेल आयात का 16 प्रतिशत बैठता है। अप्रैल में पहली बार भारत के समुद्र के रास्ते कुल कच्चा तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत पर पहुंची थी। आंकड़ों के अनुसार, पूरे बीते साल यानी 2021 और 2022 की पहली तिमाही में यह एक प्रतिशत से भी कम थी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमले के आदेश के बाद भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के अपने रुख का काफी समय से बचाव किया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था, ''भारत की कुल खपत की तुलना में रूस से ऊर्जा खरीद बहुत कम है।'' इराक मई में भारत का शीर्ष आपूर्तिकर्ता देश बना रहा और सऊदी अरब अब तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। भारत ने ऐसे समय में रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाने के लिए 'छूट' का लाभ उठाया है जब वैश्विक ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है।

पुतिन के दाहिने हाथ कहे जाने वाले दिमित्री मेदवेदेव ने पश्चिमी देशों को दी 'महाविनाश' की चेतावनी

मास्को (एजेंसी)।

यूक्रेन पर हमलावर देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे करीबी और उनके दाहिने हाथ कहे जाने वाले दिमित्री मेदवेदेव ने पश्चिमी देशों को 'महाविनाश' की चेतावनी दी है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव ने कहा कि 'कयामत के घोड़े अपने रास्ते में हैं' और अमेरिका समेत पश्चिमी देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति नहीं करें। पुतिन के इशारे पर चलने वाले मेदवेदेव ने परमाणु जंग को लेकर भी आगाह किया था। मेदवेदेव को पुतिन के मुकाबले ज्यादा उदारवादी माना जाता है लेकिन यूक्रेन को लेकर वह भी एकदम कट्टर रुख अपना रहे हैं। रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख मेदवेदेव ने यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों को पिछले सप्ताह यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अक्सर मुझसे पूछा जाता है कि मेरे टेलिग्राम पोस्ट इतने ज्यादा कर्कश क्यों होते हैं। इसका जवाब है कि मैं उनसे घृणा करता हूं। वे रूस का खात्मा चाहते हैं। जब तक मैं जिंदा हूं, मैं वह हर चीज करूंगा ताकि वे उन्हें लापता किया जा सके।'

अडाणी समूह को मिली परियोजना पर टिप्पणी करने वाले श्रीलंकाई अधिकारी ने दिया इस्तीफा

कोलंबो। (एजेंसी)।

अडाणी समूह को श्रीलंका में मिली एक पवन ऊर्जा परियोजना पर विवादित टिप्पणी करने वाले द्वीपीय देश के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया है। एक दिन पहले ही यह अधिकारी अपने बयान से पलट गए थे। अधिकारी ने देश की संसदीय समिति के समक्ष अडाणी समूह को परियोजना देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथित तौर पर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को प्रभावित करने का दावा किया था। इस संबंध में श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजयशेखर ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) के चेयरमैन मका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है।

फर्डिनेंडो ने शुक्रवार को सार्वजनिक उपक्रम समिति (सीओपीई) की सुनवाई के दौरान कहा था कि राष्ट्रपति राजपक्षे ने पिछले साल नवंबर में उन्हें एक बैठक के बाद तलब किया था। अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति राजपक्षे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह पर इस परियोजना को भारत के अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह को देने के लिए कहा था। हालांकि, श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने संसदीय समिति के समक्ष फर्डिनेंडो के बयान को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। भारत सरकार की तरफ से इस मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एफटीएफ की 'ग्रे' सूची से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान कर रहा कूटनीतिक प्रयास

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने विश्व स्तर पर धनशोधन तथा आतंकवादी वित्तपोषण के खतरों से निपटने वाले 'वित्तीय कार्रवाई कार्यबल' (एफएटीएफ) की 'ग्रे' सूची से बाहर निकलने के लिए व्यापक स्तर पर कूटनीतिक प्रयास किए हैं। मीडिया की एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान, धन शोधन पर रोक लगाने में विफल रहने और आतंकवाद वित्तपोषण के कारण पेरिस स्थित 'वित्तीय कार्रवाई कार्यबल' (एफएटीएफ) की 'ग्रे' सूची में 2018 से है। उसे अक्टूबर 2019 तक पूरा करने के लिए एक कार्ययोजना दी गई थी।

हालांकि, एफएटीएफ के आदेशों का पालन करने में विफल रहने के कारण देश अब भी इस सूची में बना हुआ है। 'न्यूज इंटरनेशनल' की खबर के अनुसार, पाकिस्तान को सूची से बाहर निकालने के लिए तुर्की, चीन और मलेशिया के वोट की जरूरत है और तीनों देशों ने पाकिस्तानी अधिकारियों को इसके लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' ने मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि सूची में पाकिस्तान की स्थिति पर निर्णय जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 14 से 17 जून के बीच हो रही बैठक के दौरान किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने अलग-अलग देशों की यात्रा के दौरान एफएटीएफ पर अहम चर्चा की। खबर के अनुसार, पाकिस्तान ने दंडात्मक कार्रवाई के अलावा, एफएटीएफ कार्य योजना के लगभग सभी बिंदुओं को लागू किया है और उसने मुकदमे भी चलाए तथा सभी प्रासंगिक कानूनी संशोधन भी किए हैं। बर्लिन में एफएटीएफ की बैठक 17 जून तक चलेगी और बैठक के आखिरी दिन फोरम तय करेगा कि किन देशों को अपनी 'काली' और 'ग्रे' सूची में रखना है। पाकिस्तान के 'ग्रे' सूची में बने रहने से उसके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और यूरोपीय संघ से वित्तीय सहायता प्राप्त करना मुश्किल होता जा रहा है, जिससे देश के लिए समस्याएं और बढ़ रही हैं। पाकिस्तान अब तक चीन, तुर्की और मलेशिया जैसे करीबी सहयोगियों की मदद से 'काली' सूची में शामिल होने से बचता रहा है। एफएटीएफ एक अंतर-सरकार संस्था है। इसकी स्थापना 1989 में धन शोधन, आतंकवाद वित्त पोषण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता के लिए जो खतरे हैं, उनसे निपटने के लिए की गई थी। एफएटीएफ के वर्तमान में दो क्षेत्रीय संगठन यूरोपीय आयोग और खाड़ी सहयोग परिषद सहित 39 सदस्य हैं। भारत, एफएटीएफ परामर्श और उसके एशिया प्रशांत समूह का सदस्य है।

भारतीय मुसलमान के हमदर्द बन रहे शहबाज को नहीं दिख रहा पाक में अहमदिया और हजारा का दर्द

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भारतीय मुसलमानों के हमदर्द बन रहे है। उन्होंने दावा किया है कि भारत में मुसलमानों को दबाया जा रहा है। शहबाज शरीफ ने ट्वीट में लिखा कि भारत ने भारतीय मुसलमानों को अपने अधीन करने के लिए क्रूर और दमनकारी तंत्र को खोल दिया है। उन्होंने दावा किया कि भारत की पूरी योजना मुसलमानों को राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से हाशिए पर डालने की है। भारत के खिलाफ इतना जहर उगलने वाले पाकिस्तान के नए-नवेले प्रधानमंत्री को अपने देश में अल्पसंख्यक मुसलमानों का दर्द बिलकुल नहीं दिखाई दे रहा। यही कारण है कि मुसलमान होने के बावजूद अहमदिया और हजारा मुस्लिम पाकिस्तान में दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में जीवन जी रहे हैं। अहमदिया लोग पैगंबर मोहम्मद को इस्लाम का अंतिम पैगंबर नहीं मानते। यही कारण है कि रूढ़िवादी मुसलमान और पाकिस्तान सरकार इन्हें मुसलमान होने का दर्जा नहीं देती है। पाकिस्तान का दावा है कि अहमदिया मुसलमान इस्लाम धर्म के मानने वालों को 'गुमराह' कर रहे हैं। और एक इस्लामिक देश में 'गैर इस्लामिक कृत्य' पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इस्लाम धर्म पर विपरीत असर पड़ेगा।

पाकिस्तान में हर साल सैकड़ों अहमदिया मुसलमानों की हत्या इसलिए कर दी जाती है क्योंकि कट्टरपंथियों को लगता है कि वे काफिर है। नवंबर 2020 में इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया था कि पाकिस्तान में 1984 से 2019 के बीच, 265 अहमदी मारे गए और 393 पर हमला किया गया। इस दौरान अहमदियों के आम कब्रिस्तान में दफनाने से इनकार करने के 70 मामले सामने आए थे। 39 घटनाओं में तो दफन किए गए अहमदियों के शवों को कब्र से निकाल दिया गया था। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक अहमदी मुसलमानों को कानून के जरिए भी प्रताड़ित किया जाता है। 1984 से 2019 के बीच पाकिस्तान में अहमदी मुसलमानों के खिलाफ धार्मिक आधार पर 765 केस दर्ज किए गए थे। इनमें से अधिकतर मामले कलमा को प्रदर्शित करने से जुड़े हुए थे। 38 मामलों में तो अजान के लिए अहमदी मुसलमानों को सलाखों के पीछे डाला गया था। 453 को मुसलमानों के रूप में खुद को बताने के लिए गिरफ्तार किया गया था। 161 को इस्लामिक विशेषणों का इस्तेमाल करने के लिए पकड़ा गया था। इसके अलावा 315 अहमदियों को ईशनिंदा कानून के तहत आरोपित किया गया था।

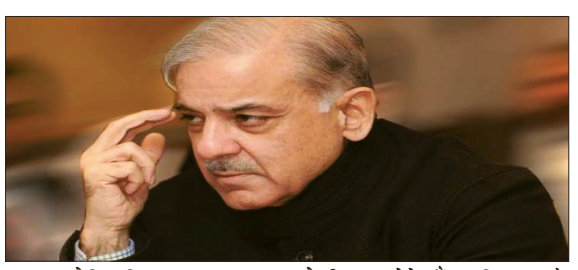

पाकिस्तान में सुन्नी मुसलमान बहुसंख्यक हैं, जो हजारा जैसे अपने ही धर्म के अल्पसंख्यकों का विरोध करते हैं। पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान में भी तालिबान के शासन में हजारा समुदाय के ऊपर बहुत से जुर्म हुए हैं। तालिबान के आतंकी हजारा समुदाय के लोगों को न केवल गोली मार देते हैं, बल्कि इनके समुदाय की महिलाओं के साथ भी बुरा सलूक करते हैं। हजारा समुदाय के लोग शिया मुसलमान होते हैं। माना जाता है कि हजारा 16 वीं शताब्दी की शुरुआत में फारस में सफवी राजवंश के समय में शिया धर्म में परिवर्तित हो गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र गृह मंत्रालय का खुलासा, मुंबई में वसूली का धंधा करना चाहता था बिश्नोई गैंग

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्रालय ने फिल्म अभिनेता सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी भरे खत मिलने के मामले में एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि लॉरेंस बिश्नोई मुंबई में डर का महौल बनाकर डी कंपनी की तरह की वसूली का धंधा चलाना चाहता था. महाराष्ट्र के गृह विभाग के सूत्रों ने कहा कि सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी देने के पीछे बिश्नोई गैंग की साज़िश थी जिससे वो अपनी ताक़त का एहसास दिलाकर एक डर का माहौल बनाना चाहता था. बता दें कि पंजाब के सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से ही बिश्नोई गैंग चर्चा में आया और मूसेवाला की हत्या के बाद बिश्नोई ने सलमान खान और उनके पिता को धमकी भरी चिट्ठी भेजी. सूत्रों ने कहा कि ऐसा करने के बाद वो मुंबई के बड़े व्यापारी और बॉलीवुड के कलाकारों को धमकाकर अवैध वसूली करने की तैयारी कर रहा था. हालांकि मुंबई पुलिस अब भी इस मामले की तह तक जांच कर रही है और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है जिसने वो चिट्ठी वहां छोड़ी थी.

- राजस्थान के तीन लोगों में से किसी एक ने छोड़ा पत्र

क्राइम ब्रांच के डीसीपी संग्राम सिंह निशानदार ने पुणे जाकर सौरव उर्फ़ महाकाल से पूछताछ की और अब उनकी टीम दोबारा जाकर जाधव से पूछताछ करेगी. क्राइम ब्रांच के सूत्रों ने कहा कि उन्हें जो जानकारी अबतक मिली है उसके मुताबिक़ इस काम के लिए राजस्थान के जालोर इलाक़े से तीन लोगों को चुना गया था जिसमें से एक शख़्स ने ये धमकी भरा पत्र सलीम खान तक पहुंचाया. इसके अलावा क्राइम ब्रांच अब भी 200 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरे की फ़ुटेज स्कैन कर रही है और टीमें राजस्थान, पालघर और दिल्ली में जाकर जांच कर रही हैं.

- क्या है पूरा मामला

पिछले रविवार की सुबह ये मामला तब सामने आया था जब सलमान खान के पिता सलीम खान मॉर्निंग वॉक पर निकले थे. सैर के बाद सलीम खान को अज्ञात पत्र मिला था, जिसमें उन्हें और सलमान को जान से मारने की धमकी दी गई थी. इसके बाद सलीम खान ने अपने सुरक्षाकर्मी की मदद से पुलिस से संपर्क किया और इस संबंध में बांद्रा पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया.

होर्डिंग में भगवान विट्ठल से भी बड़ी दिखाई गई पीएम मोदी की तस्वीर, एनसीपी ने कहा माफी मांगे भाजपा

पुणे । महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एक पदाधिकारी ने एक होर्डिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को भगवान विट्ठल से बड़ा दिखाए जाने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से माफी मांगने की मांग की है। प्रधानमंत्री संत तुकाराम महाराज के शिला मंदिर का उद्घाटन करने के लिए मंगलवार को देहू का दौरा किया। राकांपा नेता रविकांत वरपे ने कहा मोदी को भगवान विट्ठल से बड़ा दिखाकर भाजपा के पदाधिकारियों ने पूरे वारकरी समुदाय(भगवान विट्ठल के भक्त) का अपमान किया है। वरपे ने कहा इसे लेकर आपत्ति जताने के लिए पिंपरी चिंचवड़ पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 149 के तहत उन्हें नोटिस जारी किया है। उन्होंने नोटिस की प्रति सोशल मीडिया पर भी पोस्ट की।

बीते 24 घंटे में सामने आए 6594 नए कोरोना मरीज; एक्टिव केस 50 हजार के पार

नई दिल्ली । भारत में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 6594 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि बीते रविवार के मुकाबले सोमवार को कोरोना केस की संख्या में 18 फीसदी की कमी आई है। पिछले 24 घंटे में 4,035 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। देश में अभी कोरोना के 50 हजार 548 एक्टिव केस हैं। देश में प्रतिदिन पॉजिटिविटी रेट 2।05 फीसदी है, जबकि रिकवरी रेट 98।67 फीसदी है। वहीं साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 2।32 फीसदी है। भारत में अभी तक 195 करोड़ लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। वहीं पिछले 24 घंटे में 3 लाख 21 हजार 873 लोगों की टेस्टिंग की गई है। कोरोना से अब तक देश में 4 करोड़ 26 लाख 61 हजार 370 लोग ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस के 614 नए मामले सामने आए हैं। बीते रविवार को 735 नए मामले सामने आए थे। सोमवार को दिल्ली में 495 मरीज ठीक हुए हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि कोरोना के चलते सोमवार को किसी मरीज की मौत नहीं हुई। दिल्ली में अभी 2561 मामले सक्रिय हैं। वहीं महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1885 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 774 मरीज ठीक हुए। महाराष्ट्र में 17 हजार 480 मामले सक्रिय हैं। वहीं बीते रविवार को कोरोना के 2946 मामले सामने आए थे। पश्चिम बंगाल में सोमवार को कोरोना के 113 नए मामले सामने आए। गोवा की बात करें तो सोमवार को गोवा में कोरोना वायरस के 44 नए मामले सामने आए। वहीं 1 मरीज की मौत हो गई। गोवा में 475 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किये गए आंकड़े के मुताबिक अभी तक 85।54 करोड़ लोगों की टेस्टिंग की जा चुकी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए जरुरी होगा आधार कार्ड, आधार कार्ड के बिना नहीं होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

-30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगी यात्रा

श्रीनगर । श्री अमरनाथ जी की तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड होना जरूरी है, अन्यथा वह बाबा बर्फानी के दर्शन से वंचित रहे सकते हैं। इसकारण जरूरी है कि जिनके पास आधार कार्ड नहीं है वह इसे बनवाएं और फिर इस प्रमाणित भी करवाएं। इस संदर्भ में जम्मू कश्मीर प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। इस वर्ष यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए बालटाल और नुनवन (पहलगाम) में 35 हजार श्रमिकों का पंजीकरण होगा। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं को घोड़े-खच्चर की सेवा उपलब्ध कराने वालों को रेडियो फ्रैक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन डिवाइस (आरएफआइडी) कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में मंगलवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शंकर की प्रथम पूजा होगी। इसमें श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीतिश्वर कुमार और बोर्ड के अन्य अधिकारियों व श्री अमरनाथ यात्री न्यास के पदाधिकारी भाग लेने वाले हैं। श्राइन बोर्ड हर वर्ष तीर्थयात्रा के शुभारंभ से पूर्व ज्येष्ठ पूर्णिमा को पवित्र गुफा में भगवान की शंकर की पूजा अर्चना और हवन का आयोजन करता है। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब 20 दिन से भी कम का समय रह गया है। इस बार यात्रा को सुगम बनाने के लिए श्रीनगर से ही हेलीकाप्टर सेवा शुरू करने के साथ कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। श्रद्धालुओं से कहा जा रहा है कि यात्रा के लिए केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र को अपने स्वास्थ्य का गारंटी कार्ड समझने की भूल न करें। डाक्टरों का कहना है कि यात्रा में आने से पहले अपने शरीर को इन दुर्गम रास्तों पर चलने के लिए तैयार करें। प्रदेश प्रशासन ने आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास विभाग के विशेष सचिव सूरज प्रकाश को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड में आपदा प्रबंधन एवं संबंधित कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि कार्य के दौरान कोई मुश्किल पेश न आए। साथ ही तहसीलदार लताफत कादिर शाल और आपदा प्रबंधन विभाग के सलाहकार वसीम शफी डार को राहत एवं पुनर्वास श्रीनगर के कार्यालय में जिला उपायुक्त उनकी मदद के लिए नियुक्त किया है। श्रीनगर के डलगेट स्थित टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर में सभी 45 शिविर निदेशकों की कार्यशाला भी सोमवार को समाप्त हो गई। इसमें अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। लोक कार्य सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर ने यात्रा मार्ग पर सड़क, पुलों, शेड और फुटपाथ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। कश्मीर ऊर्जा वितरण निगम के चीफ इंजीनियर ने श्रद्धालुओं के शिविरों और पवित्र गुफा में बिजली आपूर्ति के लिए लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइन क बारे में जानकारी दी। जलशक्ति विभाग ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के बारे में बताया।

अग्निवीर देंगे चीन और पाकिस्तान को सीमा पर मात, तकनीक में मजबूत होगी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में भर्ती होने की नई प्रक्रिया 'अग्निपथ' का ऐलान हो गया है। 'अग्निवीर' के तौर पर शामिल होने वाले सैनिक चार साल तक तीन सेनाओं में अपनी सेवाएं देंगे। इधर, सेना ने भी नए वीरों के लिए तैयारियां कर ली हैं। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है कि अग्निवीरों को चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। खास बात है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ तनाव जारी है। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने कहा, 'चार सालों की ट्रेनिंग के दौरान अग्निवीरों को हमारी यूनिट्स में आसानी से शामिल कर लिया जाएगा। हमारी जरूरतों के हिसाब से वे चीन और पाकिस्तान की सीमा पर तैनात होने के लिए सक्षम होंगे। योजना के लागू होने के दौरान क्षमताओं से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा।' इस दौरान सेना ने तकनीक के क्षेत्र में भी मजबूती के लिए काम करने का ऐलान किया।

पीएम मोदी 18 जून को गुजरात में करेंगे मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना का शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जून को गुजरात के वडोदरा में 'गुजरात गौरव अभियान' कार्यक्रम के अंतर्गत 21,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विभिन्न विभागों की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' (एमएमवाय) का राज्यव्यापी शुभारंभ करेंगे। गुजरात सरकार ने महिला की गर्भावस्था से लेकर मातृत्व के पहले 1000 दिनों तक माता और शिशु दोनों को पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराने तथा उनकी पोषण स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' की घोषणा की है। इसके साथ ही राज्य की सभी आदिवासी बहुल तहसीलों में 'पोषण सुधा योजना' को लॉन्च कर आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं को इस योजना के तहत शामिल किया जाएगा।

क्या है मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना

माता का खराब पोषण स्तर गर्भ में मौजूद बच्चे (भ्रूण) के विकास को बाधित करता है, जो आगे चलकर बच्चे के खराब स्वास्थ्य की वजह बनता है। गर्भवती माताओं में कुपोषण और एनीमिया बच्चे की वृद्धि और विकास पर गंभीर प्रभाव डालता है। महिला के गर्भकाल के 270 दिन और बच्चे के जन्म से 2 वर्ष तक के 730 दिन यानी कुल 1000 दिनों की अवधि को 'फर्स्ट विंडो ऑफ अपॉर्चुनिटी' कहा जाता है। इस समय के दौरान माता और बच्चे के पोषण स्तर को सुदृढ़ बनाना आवश्यक है। इस विषय के महत्व को समझते हुए भारत सरकार के 'पोषण अभियान' के अंतर्गत माता और बच्चे के इन 1000 दिनों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है। यह बात काफी महत्वपूर्ण है कि इस अवस्था के दौरान माता के आहार में अन्न और प्रोटीन, वसा तथा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व उपलब्ध हों। इसे ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार ने इन 1000 दिनों के दौरान गर्भवती और प्रसूता माताओं को पोषण युक्त आहार प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' स्वीकृत की है।

वर्ष 2022-23 में सभी प्रथम गर्भवती और प्रथम प्रसूता माता तथा स्वास्थ्य विभाग के सॉफ्टवेयर में गर्भवती के तौर पर या जन्म से दो वर्ष के बच्चे की माता के रूप में पंजीकृत लाभार्थी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को आंगनबाड़ी केंद्र से राशन के रूप में प्रतिमाह 2 किलो चना, 1 किलो अरहर दाल और 1 लीटर मूंगफली का तेल देने का निर्णय किया गया है। राज्य सरकार ने इस योजना के लिए चालू वर्ष के बजट में 811 करोड़ रुपए की बड़ी रकम का प्रावधान किया है। वहीं, अगले पांच वर्ष के लिए 4000 करोड़ रुपए से अधिक की रकम का प्रावधान किया जाएगा। इस योजना से माता और बच्चे की पोषण की स्थिति में सुधार होगा। समय से पहले जन्म लेने वाले या कम वजन वाले बच्चों के जन्म की संख्या में कमी आएगी और संपूर्ण स्वस्थ बच्चों का जन्म होगा। इसके साथ ही, माता मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर में भी कमी आएगी।

राज्य की आदिवासी बहुल तहसीलों में पोषण सुधा योजना की लॉन्चिंग

महिला के जीवन में गर्भावस्था और स्तनपान कराने वाली अवस्था अत्यंत अहम होती है। माता के गर्भ में मौजूद शिशु (भ्रूण) के लिए तथा जन्म के बाद उसे स्तनपान कराने के लिए माता को

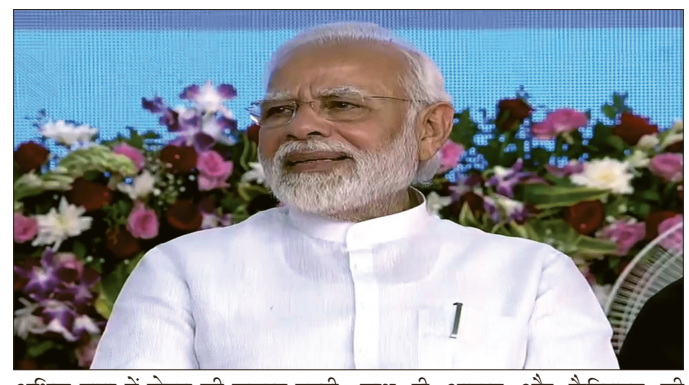

अधिक मात्रा में पोषण की जरूरत पड़ती है। इस जरूरत की पूर्ति के लिए राज्य सरकार ने प्रायोगिक स्तर पर दाहोद, वलसाड, महीसागर, छोटाउदेपुर और नर्मदा सहित गुजरात के 5 आदिवासी बहुल जिलों की 10 तहसीलों में 'पोषण सुधा योजना' लागू की गई थी। अब इसका विस्तार कर राज्य के सभी 14 आदिवासी बहुल जिलों की कुल 106 तहसीलों में इस योजना को कार्यान्वित किया जाएगा।

इस योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी में पंजीकृत गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को एक समय का संपूर्ण पोषक भोजन प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही आयरन और कैल्शियम की गोलियां तथा स्वास्थ्य और पोषण के बारे में शिक्षा दी जाती है। योजना की निगरानी और निरीक्षण के लिए विशेष मोबाइल एप्लीकेशन भी बनाया गया है। चालू वर्ष में इस योजना के लिए 118 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रतिमाह लगभग 1.36 लाख लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा। राज्य की माताओं और बच्चों के पोषण की स्थिति में सुधार लाने के लिए और एक सुदृढ़ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए गुजरात सरकार का महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर प्रयासरत है।

देश को कब मिलेगा नया 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ'? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- जारी है प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन के बाद से यह पद खाली पड़ा हुआ है। लगातार यह सवाल उठता रहता है कि आखिर देश को अगला सीडीएस कब मिलेगा? इसको लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ तौर पर कहा कि नए सीडीएस की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी और इसको लेकर प्रक्रिया जारी है। आपको बता दें कि 8 दिसंबर को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जनरल बिपिन रावत का निधन हो गया था। इसके बाद से सीडीएस के लिए सरकार ने किसी की नियुक्ति नहीं की है। सूत्रों ने यह भी बताया है कि अधिकारियों का एक पैनल में सीडीएस पद के लिए मौजूदा सेवारत अधिकारियों समेत रिटायर सेना अधिकारियों के नाम पर विचार कर रहा है।

आपको बता दें कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति बनाई गई थी। इसी समिति ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद की स्थापना किए जाने का सुझाव दिया था। हालांकि, तब इसे पूरा नहीं किया जा सका था। दोबारा सरकार में वापसी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15

अगस्त 2019 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से सीडीएस पद बनाने का ऐलान किया था। इसके बाद जनरल बिपिन रावत ने जनवरी 2020 में भारत के पहले सीडीएस के रूप में अपना पदभार संभाला था। सीडीएस के तौर पर जनरल बिपिन रावत के कामों को जबरदस्त तरीके से सराहना मिली थी। उन्हें भारतीय सेना में दुरगामी सुधारों की शुरुआत का भी श्रेय दिया जाता है।

सीडीएस के लिए नया नियम

इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने शीर्ष पद पर नियुक्ति के संबंध में अधिसूचनाएं भी जारी की थीं। इनके अनुसार, 62 वर्ष से कम आयु के कोई भी सेवारत या सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल, एयर मार्शल और वाइस एडमिरल प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के पद के लिए पात्र होंगे। सेना, नौसेना और भारतीय वायु सेना अधिनियमों में किए गए संशोधन के अनुसार, सेना, नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के सेवारत प्रमुखों के साथ-साथ तीन स्टार श्रेणी वाले अधिकारी भी सीडीएस बनने के पात्र हैं। गौरतलब है कि जनरल रावत ने एक जनवरी 2020 को देश के समग्र सैन्य कौशल को बढ़ाने के लिए देश के पहले सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाला था।

बुलडोजर की कार्रवाई पर भड़के ओवैसी ने दी योगी को चुनौती, कहा- हिम्मत है तो अजय मिश्रा टेनी का घर तोड़िए

लखनऊ। (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ नूपुर शर्मा की कथित टिप्पणी को लेकर उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हिंसा की खबर आई थी। इसके बाद हिंसा करने वालों के खिलाफ उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार लगातार एक्शन ले रही है। इसी कड़ी में प्रयागराज के मुख्य आरोपी के घर पर बुलडोजर वाला एक्शन हुआ है। बुलडोजर वाले एक्शन पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी फभड़क गए हैं। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को चुनौती दे ही है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक ओवैसी ने कहा कि अगर हिम्मत है तो अजय मिश्र टेनी का घर तोड़िए। आपको बता दें कि अजय मिश्र टेनी पर लगातार विपक्ष लखीमपुर खीरी हिंसा कांड को लेकर हमलावर रहता है।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

सुप्रीम जस्टिस बन चुके हैं। वे खुद अपनी अदालत में किसी की पेशी करेंगे और घर तोड़ देंगे। उन्होंने चैलेंज देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो टेनी (अजय कुमार मिश्रा) का घर तोड़िए, उसपर तो 5 हत्या का मामला है सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी बेल रद्द कर दी। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिला प्रशासन और पुलिस ने शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शहर के अटाला और करेली क्षेत्र में पुलिस पर पथराव की घटना के 'मास्टरमाइंड' (मुख्य षड्यंत्रकर्ता) मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप का करेली में अवैध रूप से निर्मित दो मंजिला बंगला रविवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

लगातार तेजी से अपने परमाणु जखीरे को बढ़ रहा भारत, सैन्य स्तर पर हो रहा मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सैन्य स्तर पर मजबूती किसी भी राष्ट्र के लिए बहुत आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वर्तमान दौर में परमाणु हथियार किसी राष्ट्र की शक्ति का बड़ा आधार हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान जिस तरह से परमाणु हमले के नाम पर रूस ने दबाव बनाया है, इस बात से सभी का इस ओर ध्यान आकर्षित किया। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की रिपोर्ट ने मामले में वैश्विक स्तर पर बदलते ट्रेंड की झलक दिखाई है। इसमें यह भी सामने आया है कि भारत अपने परमाणु हथियारों के जखीरे में वृद्धि कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान और चीन परमाणु हथियारों के मामले में खुद को मजबूत करने में जुटे हैं। भले ही संख्या के मामले में चीन में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है, लेकिन सालभर में तैयार हुए नए लांचर्स के दम पर उसकी ताकत बढ़ी है। पाकिस्तान भी नए तरह के लांचर पर काम कर रहा है। भारत और पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं करते हैं। दुनियाभर में परमाणु हथियारों का 90 प्रतिशत अमेरिका और रूस के पास है। पुराने हथियारों को नष्ट करने के कारण 2021 में इन दोनों के न्यूक्लियर वारहेड की संख्या कुछ कम हुई है। हालांकि प्रयोग के योग्य हथियारों की संख्या स्थिर बनी हुई है।

केंद्र के 10 लाख नौकरी के वादे पर राहुल गांधी का तंज, ये जुमलों की नहीं, 'महा जुमलों' की सरकार है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों से रोजगार को लेकर मिशन मोड में काम करने को कहा है। इसी के तहत प्रधानमंत्री ने अगले 18 महीनों में 10 लाख पदों को भरे जाने कभी निर्देश दिया है। इसको लेकर अब विपक्ष तंज रहा है। इन सबके बीच मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय के पूछताछ का सामना कर रहे राहुल गांधी ने भी इस पर तंज किया है। एक ट्वीट के जरिए राहुल गांधी ने लिखा कि जैसे 8 साल पहले युवाओं को हर साल 2 करोड़ नौकरियों का झांसा दिया था, वैसे ही अब 10 लाख सरकारी नौकरियों की बारी है। ये जुमलों की नहीं, 'महा जुमलों' की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी नौकरियां बनाने में नहीं, नौकरियों पर 'News' बनाने में एक्सपर्ट हैं।

इससे पहले कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा था कि देश में सबसे ज़्यादा बेरोजगारी है और मोदी जी ने हर साल 2 करोड़ रोज़गार देने का वादा किया था यानि 8 साल में 16 करोड़ रोज़गार देने थे लेकिन अब मोदी जी कह रहे हैं कि 2024 तक केवल 10 लाख नौकरियां देंगे। तो 16 करोड़ नौकरियों का क्या हुआ? वहीं, सरकारी सूत्रों के मुताबिक विभिन्न विभागों और मंत्रालयों से रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी मांगी गयी थी, और इसकी पूरी समीक्षा करने के बाद प्रधानमंत्री ने 10 लाख लोगों की भर्ती के निर्देश दिए। पिछले विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों ने बेरोजगारी के मुद्दे को जोरशोर से उठाया था लेकिन भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं और विकास के साथ हिन्दुत्व के मुद्दों को आगे रखते हुए विपक्षी आक्रमण की धार कुंद कर दी थी और सफलता हासिल की थी।

नरेंद्र मोदी के इस फैसले पर अमित शाह ने कहा कि कि नए भारत का आधार उसकी युवा शक्ति है, जिसको सशक्त बनाने के लिए मोदी जी निरंतर कार्यरत है। मोदी जी द्वारा सभी सरकारी विभागों व मंत्रालयों में 1.5 साल में मिशन मोड में 10 लाख भर्ती करने का निर्देश

युवाओं में नयी आशा और विश्वास लायेगा। इसके लिए नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूँ। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के युवाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा निर्णय लेते हुए सभी सरकारी विभागों में अगले 1.5 साल में 10 लाख नौजवानों की भर्ती करने का निर्देश दिया है।यह निर्णय युवाओं में विश्वास और उत्साह बढ़ायेगा। प्रधानमंत्रीजी का इसके लिए अभिनंदन!

महिला-पुरुष का पति-पत्नी की तरह लंबे समय तक साथ रहना शादी जैसा, संपत्ति में इनके बेटे का भी हक : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अगर कोई पुरुष और महिला लंबे समय तक साथ रहते हैं तो कानून के अनुसार इसे विवाह जैसा ही माना जाएगा और उनके बेटे को पैतृक संपत्तियों में हिस्सेदारी से वंचित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि विवाह के सबूत के अभाव में एक साथ रहने वाले पुरुष और महिला का नाजायज बेटा पैतृक संपत्तियों में हिस्सा पाने का हकदार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस अब्दुल नज़ीर और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा यह अच्छी तरह से स्थापित है कि अगर एक पुरुष और एक महिला पति-पत्नी के रूप में लंबे समय तक एक साथ रहते हैं, तो इसे विवाह जैसा ही माना जाएगा। इस तरह का अनुमान साक्ष्य अधिनियम की धारा 114 के तहत लगाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला केरल हाईकोर्ट के 2009 के उस फैसले के खिलाफ अपील पर आया है, जिसमें एक पुरुष और महिला के बीच लंबे समय तक चले रिश्ते के बाद पैदा हुई संतान के वारिसों को पैतृक संपत्तियों में हिस्सा देने संबंधी निचली अदालत के आदेश को खारिज कर दिया गया था। ये मामला पिछले 40 साल से अदालतों में चक्कर काट रहा था। पहले लोअर कोर्ट ने फैसले में कहा था कि लंबे समय तक पति-पत्नी की तरह साथ रहने वाले कपल के बेटे को पारिवारिक संपत्ति में हिस्सेदार माना जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट इससे सहमत नहीं हुआ और फैसला पलटते हुए ट्रायल कोर्ट से फिर से सुनवाई करने को कहा। इस रिमांड ऑर्डर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसने हाईकोर्ट से ही मामले में फैसला देने को कहा।

हाईकोर्ट अपने पहले के फैसले पर कायम रहा, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हमने प्रतिवादियों की ओर से पेश सबूतों को भी देखा है। हमारा विचार है कि प्रतिवादी दामोदरन और चिरुथाकुट्टी के बीच उनके लंबे रिश्ते से बने विवाह जैसे संबंध के खिलाफ साबित करने में नाकाम रहे हैं। इसके अलावा, तथाकथित नाजायज बेटे की ओर से जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, वे संपत्ति का विवाद पैदा होने से बहुत पहले के हैं। ये दस्तावेज और गवाहों के बयान व सबूत दिखाते हैं कि दामोदरन और चिरुथाकुट्टी लंबे समय से पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे। पहला वादी 1963 में सैन्य सेवा में शामिल हुआ और 1979 में रिटायर हुआ। उसके बाद उसने संपत्ति के बंटवारे के लिए मुकदमा दायर किया।

बच्चों में क्रूरता बढ़ा रहे ऑनलाइन गेम! खेलने से मना करने पर पिता का सिर काटा, तो किसी ने मां के सिर पर मारी गोली

श्रीनगर। (एजेंसी)।

तीन साल पहले एक खबर आई थी की एक युवक ने पबजी खेलने से मना किया तो बच्चे ने अपने पिता का सिर काट दिया था। ऐसा ही कुछ हफ्ते पहले यूपी के लखनऊ में मां ने अपने 17 साल के बेटे को ऑनलाइ गेम खेलने से मना किया तो रात के 3 बजे नाबालिग ने अपनी मां के सिर पर गोली चला दी। ऐसे वारदातों के बाद भी अगर सचेत नहीं हुए तो भविष्य में सामाजिक-पारिवारिक अनर्थों को अपना पीछा करते पाएंगे। बताते चले कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑनलाइन गेमिंग को मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक बताया है। इसकी लत लगना काफी नुकसानदायक साबित होता है। यह कोकीन और जुए की लत से भी ज्यादा खतरनाक माना जाता है।मनोवैज्ञानिक भी बच्चों को ऑनलाइन गेम की लतों से दूर रहने के लिए आग्रह करते रहते हैं।

मनोवैज्ञानिक के अनुसार, ऑनलाइन गेम खेलने वाले 99 प्रतिशत बच्चे बिहैवियर कन्डक्ट डिसआर्डर के शिकार हो जाते है जिसके कारण वह गहरे तनाव में रहते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी पिछले दिनों केंद्र सरकार से कहा था कि वह बच्चों, किशोरों और युवाओं का ऑनलाइन गेमों की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाए। लेकिन अब तक सरकार की ओर से कुछ भी प्रतिक्रिया नहीं आई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में बच्चों और गर्भवती माताओं के लिए घर बैठे पोषण का मार्ग बना और आसान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, फूड डिलीवरी ऐप के जमाने में जब हम अपना पसंदीदा भोजन घर पर मंगवाते हैं, तो यह ख्याल आता है कि उन बच्चों और गर्भवती बहनों का क्या जो अपने पसंदीदा पौष्टिक भोजन की होम डिलीवरी से कोसो दूर हैं? विशेष रूप से ऐसी माताओं और बच्चों के लिए जिन्हें पोषण की बहुत आवश्यकता है। इसलिए कुपोषण से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा 'SND-The Supplementary Nutrition Programme' कार्यक्रम के तहत बाल विकास सेवाएं (Integrated Child Devlopment Scheme-ICDS) कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अंतर्गत लाखों जरूरतमंद लाभार्थी घर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाली 'टेक होम राशन' योजना का लाभ उठा रहे हैं। यह कार्यक्रम गर्भवती महिलाओं को जीवन में पहले 1000 दिनों के लिए विभिन्न पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। यह समयावधि कुपोषण से जुड़े दीर्घकालिक दुष्प्रभावों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से गर्भावस्था के दौरान और जब शिशु स्तनपान करना बंद कर देते हैं तब 'टेक होम राशन' का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें नियमित रूप से स्कूल आने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म, पौष्टिक, स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराना और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह भोजन महीने में एक बार माँ को घर ले जाने और उसका उपयोग करने के लिए वितरित किया जाता है और इसलिए ही इसका नाम 'टेक होम राशन' रखा गया है। कोरोना जैसी महामारी अक्सर अपने साथ नवीन बदलाव के असवर लेकर आती है। महामारी के साथ टेक होम राशन को नए लेंस से देखने और खाली पेट भरने से आगे सोचने का अवसर मिला है। इस विचार को खाद्य सुरक्षा में से पोषण सुरक्षा की ओर स्थानांतरित करने का समय मिला है। ऐसी महामारी के दौरान स्थानीय रूप से उत्पादित ताजा भोजन उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग कुपोषण के शिकार हुए है। इस पोषण अंतर को दूर करने के लिए 'टेक होम राशन' एक सेतु बनता जा रहा है। वर्ष 2022-23 की बात करें तो गत वर्ष की तुलना में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में और महिला एवं बाल विकास मंत्री मनीषा वकील के लगातार मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के लिए कुल 4,976 करोड़ रुपए अर्थात् 42 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है।

गुजरात सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि गर्भवती माताओं को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन और उनके नवजात शिशु को गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन मिलें। इसके लिए बालक और गर्भवती माताओं को वर्तमान भोजन में क्या कमी आ रही है, उसकी जानकारी लेकर पोषक तत्वों को बढ़ाया जा रहा है। गुजरात सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 बजट में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को घर-घर सुखडी (आटे और घी से बना पौष्टिक व्यंजन) का वितरण करने तथा बच्चों, किशोरियों तथा गर्भवती-स्तनपान कराने वाली माताओं को टेक होम राशन मुहैया कराने के लिए 1,059 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। स्वस्थ भावी पीढ़ी के लिए जीवन चक्र के प्रत्येक चरण में महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ पोषण की देखभाल आवश्यक है। एक महिला की गर्भावस्था से दो वर्ष की आयु तक की अवधि गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए स्वर्णिम माना जाता है। इसलिए सरकार ने किशोरियों, गर्भवती तथा स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य तथा पोषण में सुधार लाने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने का निर्णय किया गया है। इनके भोजन में अन्न के साथ प्रोटीन, फेट तथा माइक्रो-न्यूट्रिएंट भी उपलब्ध हो सके इसके लिए अगले पाँच वर्षों में 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से ला गूहोने वाली 'सुपोषित माता-स्वस्थ्य बाल योजना' द्वारा गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को 1000 दिनों तक एक किलो तुवर दाल, दो किलो चना, एक लीटर खाद्य तेल हर महीने फ्री दिया जाएगा। इस प्रकार 'टेक होम राशन' योजना अपने लक्ष्य और जरूरतमंदों तक पहुँचे इसके लिए पर्याप्त बजट आवंटिक किया गया है। जो व्यूहात्मक परिवर्तनों के साथ भारत के सबसे जरूरतमंद नागरिकों के लिए पोषण सुरक्षा हासिल करने में मदद कर रहा है।

बेलगाम डम्पर ने दुपहिया वाहन को कुचला, दो युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत के देवध गांव के निकट रेत से लदे एक डम्पर ने एक्टिवा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक्टिवा सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों नौकरी से अपने घर की ओर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक सूरत के पलसाणा स्थित नट्स मिल में मार्केटिंग का काम करने वाले 28 वर्षीय शिवा चांडक और 27 वर्षीय अनिरुद्ध शर्मा नौकरी से छूटकर एक्टिवा पर अपने घर की ओर लौट रहे थे। एक्टिवा पर दोनों युवक देवध गांव के निकट

सड़क क्रोस कर रहे थे, उस वक्ततेज रफ्तार में आए एक डम्पर ने एक्टिवा को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें एक्टिवा सवार एक युवक को डम्पर काफी दूर तक घसीट ले गया। इस हादसे में शिवा और अनिरुद्ध की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस थाना सीमा विवाद के चलते घंटों तक मृतकों के शव सड़क पर पड़े रहे। आखिरकार सूरत की गोडादरा पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।

धोलेरा में बनेगा नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, केन्द्र सरकार ने दी मंजूरी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने धोलेरा में न्यू ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास परियजोना के प्रथम चरण के लिए 1,305 करोड़ रुपए को मंजूरी दी है। यह परियोजना आगामी 48 महीने में पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के सर्वांगीण विकास को नई दिशा तथा गति देने वाले इस महत्वकांक्षी परियोजना को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्र सरकार का गुजरात की जनता की ओर से दिल से आभार प्रगट किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश के ग्रोथ इंजन जैसे गुजरात में इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के प्रथम चरण को मंज़ूरी मिलने से मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी तथा पी. एम. गति शक्ति के भविष्योन्मुखी आयोजन सफलतापूर्वक साकार हो पाएगा। यहाँ पर यह बताना आवश्यक है कि यह प्रोजेक्ट एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया, नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट तथा इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट तथा गुजरात सरकार के संयुक्त उपक्रम धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा साकार होने वाला है। धोलेरा के इस सूचित इंटरनेशनल एयरपोर्ट धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन के कार्गो ट्रैफिक हैंडलिंग द्वारा धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास औद्योगिक क्षेत्रों का कार्गो परिवहन हब के रूप में विकसित करने के लिए मदद मिलेगी। साथ ही अहमदाबाद एयरपोर्ट के अन्य विकल्प के रूप में भी उपयोगी बनेगा। अहमदाबाद से तकरीबन 80

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी का गुजरात के लिए महत्वपूर्ण निर्णय

किलोमीटर की दूरी पर स्थित प्रस्तावित धोलेरा एयरपोर्ट आगामी 2025-26 तक चालू होने की योजना है। इस एयरपोर्ट पर से शुरू के चरण में सालाना 3 लाख लोग यात्रा कर सकेंगे, जो अगले दो दशकों में अर्थात् 20 में सालाना 23 लाख यात्रियों तक पहुँचने का अंदाज है। इतना ही नहीं वर्ष 2025-06 में वार्षिक 20 हज़ार टन माल ढुलाई क्षमता भी 20 वर्ष में वार्षिक 2 लाख 73 हज़ार टन पहुँचने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने इस महत्वकांक्षी परियोजना को डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढ़ाँचे के लिए उपयुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार को भी धन्यवाद दिया है।